सोमवार
29 अप्रैल 2024

पृष्ठ 4

दांत के साथ साथ जीभ की भी करें...

पृष्ठ 5

सुपर योद्धा बनकर हनुमान फेम एक्टर..

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 90
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

दरिद्र व्यक्ति कुछ वस्तुएँ चाहता है, विलासी बहुत सी और लालची सभी वस्तुएँ चाहता है।
– अज्ञात

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

खनन को लेकर हुई फायरिंग मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। खनन को लेकर वर्चस्व की लड़ाई में बीते रोज बाजपुर स्थित कोसी नदी में सरेआम फायरिंग की गयी। जिसमें कई लोग घायल हो गये मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से घटना में प्रयुक्त तमंचा भी बरामद किया गया है। मामले में अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज खनन के लिए वर्चस्व की लड़ाई में बीते रोज

खनन माफिया व ग्रामीण आमने सामने आ गये थे। पहले इन दोनो गुटो में लाठी डंडे चले फिर बात फायरिंग तक आ गयी। जिसमें कई लोगों के घायल होने की बात कही जा रही है। मामले में पुलिस ने एक पक्ष की ओर से तीन

❑घटना में प्रयुक्त तमंचा बरामद

नामजद लोगों सहित 25 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। वहीं इस मामले की गम्भीरता को देखते हुए एसएसपी उधमसिंहनगर द्वारा सख्त कार्यवाही के आदेश दिये गये थे।

जानकारी के अनुसार इस प्रकरण में मुकदमा बीती रात भजन सिह पुत्र तारा सिह निवासी गोबरा नई बस्ती दाबका पार बाजपुर उधम सिंह नगर द्वारा बलविन्दर सिह, जयमल सिह व गुरप्रीत सिह निवासी गुलजारपुर कुण्डेश्वरी काशीपुर तथा अन्य 20-25 व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज कराया गया था। जिस पर पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए जगमोहन सिह ऊर्फ जोना सहित तीन को गिरफ्तार कर लिया गया हैं जिनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त तमंचा भी बरामद हुआ है।

दून में भीषण आग का कहरः एक दर्जन से अधिक झोपड़ियां जलकर हुई राख

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजधानी देहरादून में आज सुबह एक भयानक हादसा हुआ है, यहां कांवली रोड क्षेत्रांर्तगत शिवाजी मार्ग में स्थित एक दर्जन से अधिक झोपड़ियां भीषण आग की चपेट में आकर जलकर खाक हो गयी है। आग लगने की इस घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी फैल गयी। सूचना मिलने पर पुलिस व फायर सर्विस ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया। हालांकि आग से किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है लेकिन झोपड़ियो में रखे

सिलेण्डरों सहित सारा सामान जल गया है। दुर्घटना का कारण मजदूरों का झोपड़ियों के नजदीक तारबें की तार जलाना बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह कांवली रोड

अवैध पार्किंग की वजह से फायर ब्रिगेड के वाहनों को आयी मुश्किलें

देहरादून। कांवली रोड क्षेंत्रार्तगत खुड़बुड़ा मोहल्ले में आग लगने की सूचना पर फायर ब्रिगेड वाहन तो आये लेकिन रोड में अवैध पार्किंग होने की वजह से उसे अपने गंतव्य तक पहुंचने में बहुत मशक्कत करनी पड़ी जिससे बहुत समय भी बर्बाद हुआ वहीं उनके लेट पहुंचने से जनता आक्रोशित हुई। यूं तो शहर में हर जगह अवैध पार्किंग हो रही है लेकिन खुडबुडा क्षेत्र में यह समस्या अधिक देखने को मिलती है, अधिकांश घरों में पार्किंग की व्यवस्था होने के बाद भी लोग अपनी गाड़ियां रोड पर पार्क करते हैं, सरकार का इस पर कोई भी प्रतिबंध नहीं लगा है न ही कोई सख्त नियम कानून ▶▶ शेष पृष्ठ 8 पर

क्षेत्रांर्तगत शिवाजी मार्ग पर स्थित झोपड़ियों में अचानक आग लग गयी। ▶▶ शेष पृष्ठ 8 पर

कार खाई में गिरी, तीन की मौत

देहरादून (हसं)। मसूरी के हाथीपांव रोड पर एक कार के खाई में गिर जाने से तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी। सूचना मिलने पर एसडीआरएफ टीम ने मौके पर पहुंच कर तीनों शवों को बाहर निकाला और स्थानीय पुलिस की सुपुर्दगी में दे दिया। दुर्घटनाग्रस्त कार हरियाणा की बतायी जा रही है। जानकारी के अनुसार आज सुबह जिला नियंत्रण कक्ष, देहरादून द्वारा एसडीआरएफ को सूचित किया गया कि मसूरी में हाथीपांव रोड पर एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गयी

है, जिसमें रेस्क्यू हेतु एसडीआरएफ टीम की आवश्यकता है। सूचना मिलते ही पोस्ट सहस्त्रधारा से एसडीआरएफ टीम तत्काल घटनास्थल हेतु रवाना हुई। दुर्घटनास्थल पर एक कार लगभग 500 मीटर नीचे खाई में गिरी हुई थी जिसमे 3 लोग सवार थे जिनकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गयी थी। एसडीआरएफ टीम द्वारा 2 शवों को निकालकर जिला पुलिस के सुपर्द किया गया जबकि तीसरे व्यक्ति का शव स्थानीय लोगों द्वारा पूर्व में ही निकाल दिया गया था। स्थानीय पुलिस द्वारा तीनों मृतकों की शिनाख्त की कार्यवाही की जा रही है।

मेरा डीपफेक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा है: पीएम मोदी

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ताबड़तोड़ रैलियां कर रहे हैं। उन्होंने सोमवार को कर्नाटक के बागलकोट में एक चुनावी सभा को संबोधित किया है। उन्होंने कहा कि आपके वोट की ताकत मोदी की मजबूती देगी। अवकाश का आनंद लेने वाले भारत का विकास नहीं कर सकते। देश के लिए काम करने के लिए एक विजन की जरूरत होती है। साक्षात्कार के लिए भक्ति की आवश्यकता है। जब कुछ भी मौजूद नहीं होता तो परिणाम शून्य होता है, लेकिन मोदी के मामले में, दृष्टि और आदर्श वाक्य, दोनों स्पष्ट हैं। मोदी 2047 के लिए चौबीसों घंटे काम करते हैं। मेरी आवाज में भद्दी-भद्दी

चीजें सोशल मीडिया पर डाली जा रही हैं। मेरा डीपफेक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा है, जो ऐसा करते हैं उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10 सालों में मोदी ने हर उस वर्ग की चिंता की है, जिसे कांग्रेस ने बदहाली का जीवन जीने पर मजबूर किया था। आज ये लोग एक झटके में गरीबी हटाने का दावा करते हैं, लेकिन इनकी 60 साल की सरकार, इनकी कई पीढ़ियों का काम गवाह है कि वंचित वर्ग के लिए इनकी मानसिकता क्या रही है? करोड़ों परिवार इस देश में जीवन की मूलभूत जरूरतों से वंचित थे। उनके दुख, उनकी तकलीफ से कांग्रेस और उनके साथियों को कोई वास्ता नहीं था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अनुसूचित जाति और जनजाति का अधिकार छीन रही है। यह तुष्टिकरण के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। एक तरफ जहां बीजेपी सरकार ने तलवाड़ा समुदाय को एसटी का दर्जा दिया। दूसरी ओर, कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक में संविधान बदलने और एसटी को उनके अधिकारों से वंचित करने का अभियान शुरू किया है।

दून वैली मेल

संपादकीय

आंतरिक उथल-पुथल

उत्तराखंड की सभी पांच सीटों के लिए बीते 19 अप्रैल को पहले ही चरण में मतदान संपन्न हो चुका है। चुनाव के लिए प्रत्याशियों के नामों की घोषणा से पहले जब केंद्रीय नेतृत्व द्वारा अबकी बार 400 पार का नारा लगाया जा रहा था उस समय उत्तराखंड भाजपा के नेताओं का उत्साह भी सातवें आसमान पर था हर कोई यह मान रहा था कि भाजपा का टिकट भले ही किसी को भी मिले लेकिन उसके जीतकर संसद पहुंचने की गारंटी है। हर किसी को मोदी के चेहरे और उनकी गारंटी में अपनी जीत दिखाई दे रही थी। लेकिन प्रत्याशियों के नामों की घोषणा के बाद से भाजपा के आंतरिक हालात बदलने शुरू हुए और यह हालत किस हद तक बदले इसकी बानगी अब चुनाव निपटने के बाद पूरी तरह सामने आ चुकी है। इस चुनाव में हरिद्वार व पौड़ी सीट से भाजपा द्वारा अपने सिटिंग सांसदों के टिकट काटकर ऐसे दो प्रत्याशियों को चुनाव मैदान में उतारा जो पहली बार सांसद का चुनाव लड़ रहे हैं। भले ही भाजपा अपने आप को एक अनुशासित पार्टी होने का दावा करती रहे लेकिन पार्टी के अंदर आंतरिक अनुशासन की क्या स्थिति है यह बात किसी से भी छुपी नहीं है। चुनाव में भाजपा की भीतरघात का इतिहास सभी जानते हैं। जिसे मौका मिलता है वह अनुशासित कार्यकर्ता बन जाता है और जिसे मौका छीन लिया जाता है वही अनुशासन हीनता पर उतर आता है भले ही इन नेताओं की सामने आकर कुछ भी कहने की हिम्मत हो न हो लेकिन पीठ पीछे वह कुछ भी कहने और करने से नहीं चूकते हैं। चुनाव निपट जाने के बाद अब इन नेताओं की आपसी कहा सुनी और अंतर विरोध सामने आ चुके हैं और वह इतने बड़े हैं कि इन नेताओं को नोटिस जारी कर उनसे जवाब तलब करने के साथ ही उन्हें पार्टी मुख्यालय बुलाकर महेंद्र भट्ट ने स्पष्ट हृदय दी है कि जो कुछ कहना है पार्टी फोरम में ही कहे किसी को भी बाहर बयान बाजी करने का अधिकार नहीं है। भाजपा नेताओं के कुछ ऐसे वीडियो भी वायरल हुए हैं जो अपनी पार्टी के खिलाफ बोलते दिख रहे हैं। राज्य में हुए कम मतदान 57.22 रहने से भाजपा नेताओं की धड़कनें अलग बढ़ी हुई है तथा उनके सर्वे भी इस बात को बता रहे हैं कि 2014 व 2019 की तरह उन्हें इस बार किसी भी सीट पर आसान जीत नहीं मिलने जा रही है। बीते दो चुनावों में सभी पांच सीटों पर जीत हासिल करने वाली भाजपा इस बार दो से तीन तक सीटें हार भी सकती है। उसके ऊपर से अब पार्टी के नेताओं के अंदर मचा घमासान भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के लिए एक नई मुसीबत खड़ी किए हुए हैं। अगर भाजपा का प्रदर्शन इस चुनाव में अपेक्षा अनुरूप नहीं रह पाता है तो उसके बाद यह संकट और भी विकराल रूप ले सकता है। वहीं इसके कारण पार्टी में हर स्तर पर बड़ा बदलाव भी संभव ही है। भावी भविष्य में क्या होता है इसके लिए अभी 4 जून तक का इंतजार करना पड़ेगा। दूसरे दलों से भाजपा में गए नेताओं के लिए आने वाला समय कोई शुभ संकेत नहीं है।

सड़क निर्माण की मांग को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा

संवाददाता

देहरादून। चंद्रबनी पटियों वाला के ग्रामीणो ने क्षेत्रीय पार्षद के नेतृत्व में जिलाधि कारी कार्यालय पहुंच सडक निर्माण की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

आज यहां चंद्रबनी पटियों वाला से घराट संपर्क मार्ग निर्माण की मांग की चंद्रबनी वार्ड के अंतर्गत पटियों वाला से घराट हरभज वाला संपर्क मार्ग के निर्माण के लिउ क्षेत्रीय निवर्तमान पार्षद सुखबीर बुटोला के साथ ग्रामीण जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे जहां पर उन्होंने सडक निर्माण की मांग करते हुए जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने बताया कि यह मार्ग वन विभाग देहरादून आशा रोड़ी रैंज के अंतर्गत आता है इसके निर्माण की की मांग वर्षो से ग्रामीणों द्वारा की गई है। वर्तमान में यहां के लोगों द्वारा लोकसभा चुनाव बहिष्कार की भी तैयारी की गई थी पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के समझाने पर ग्रामीणों द्वारा यह मांग वापस ले ली गई। यह मार्ग दो विधानसभाओं सहसपुर व धर्मपुर आपस में जोड़ता है इस मार्ग पर हजारों लोग रोज आवाजाही करते हैं इस संबंध में क्षेत्रीय पार्षद द्वारा पूर्व में भी कई ज्ञापन जिलाधिकारी देहरादून व प्रभागीय वन अधिकारी देहरादून को कई बार दिए गए हैं मगर आज तक इसके निर्माण की कोई भी प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पाई है यह मार्ग पूर्व से कच्चा मार्ग है जिस पर कोई पेड़ कटने की संभावना नहीं है जो बहुत ही आवश्यक मार्ग है।

यत्ते राजञ्छृतं हविस्तेन सोमाभि रक्ष नः।
अरातीवा मा नस्तारीन्मो च नः किं चनाममदिन्द्रायेन्दो परि स्रव।।
(ऋग्वेद ९-११४-४)

हे सोम! आपके जो उत्तम उपहार हैं वे हमें भी प्रदान करें। हमें आपका आशीर्वाद सदैव मिलता रहे। हमें आपका रक्षण प्राप्त हो। कोई शत्रु हमें हानि ना पहुंचा सके। हमारी सविनय प्रार्थना है कि हमें मोक्ष के पथ पर ले चलो। हमें दिव्य आनंद प्राप्त हो।

मतदाता सूचियों में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए कांग्रेस ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

देहरादून। मतदाता सूचियों में गडबडी का आरोप लगाते हुए कांग्रेस कार्यकर्ता पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पहुंचे जहां पर उन्होंने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

आज यहां महानगर देहरादून के अन्तर्गत विभिन्न वार्डो की मतदाता सूचियों में गडबडियों को लेकर पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व नेताप्रतिपक्ष एवं सीईसी सदस्य प्रीतम सिंह के नेतृव में पार्टी का एक प्रतिनिधि मंडल जिलाधि कारी देहरादून को ज्ञापन सौंपा।

प्रीतम सिंह ने आरोप लगाया कि जानबूझकर मतदाता सूची से छेडछाड की गयी हैं। प्रीतम सिंह ने कहा कि उन मतदाताओं और क्षेत्रों के नाम मतदाता सूची से गायब हैं जो कांग्रेस समर्थक हैं या जहां कांग्रेस की पकड़ है। प्रीतम ने दावा किया कि इस गड़बड़ी की वजह से कई लोग लोकसभा चुनाव में भी मतदान करने से वंचित रह गये हैं। प्रीतम सिंह ने ज्ञापन के माध्यम से जिलाधिकारी को अवगत कराया कि आने वाले देहरादून नगर निगम चुनाव हेतु निर्वाचन आयोग द्वारा देहरादून के समस्त वार्डो की लिस्ट जारी की है जिसमें कई त्रुटियां है जैसे वार्ड 12 में वोटर कम हो गये क्योंकि बी एल ओ कई घरों तक पहुँच नहीं पाए। वार्ड 32 में नामो में भारी गलतिया है अक्षरों का तालमेल नहीं है कई लोगो के नाम छूट गये है यही हाल वार्ड 35 और वार्ड 36 का है जिसमे अनेक त्रुटि है बीएलओ द्वारा अपनी सहुलियत के हिसाब से ऐसे कई बूथ स्वयं से बदल दिये क्योंकि कई बीएलओ ने संतुष्ट कार्य इन वार्डो में नहीं किया गया है। उन्होनें कहा कि इन गलतियों के आध ार पर कार्यवाही की जाये जिससे मतदान में पारदर्शिता आये। प्रीतम सिंह ने अवगत कराया कि वार्ड 78 में बहुत से लोगों की शिकायत है की उनके घरों पर कोई बीएलओ नहीं आए है जब उसने उन लोगों से पूछा कि उनको गुलाबी रंग की कोई पर्ची मिली है तो उन्होंने मना करा है इस वजह से वार्ड 78 में एक बार फिर से बीएलओ को भेज कर उन लोगों के नाम चढ़ाए जाने चाहिए जिन लोगों के नाम नहीं चढ़े हैं। जिसमें आशिमा विहार कॉलोनी के बहुत से घर छूटे हुए हैं, इसके साथ ही ओगलभट्टा में भी बहुत से घर छूटे हुए हैं सबके के नाम जल्द जुडवा दिए जाए।

बिंदुवार देखे तो सी-19 टर्नर रोड, सी-13 में ओगलेश्वर मंदिर, सी-13/15 केशव कुंज में लगभग 30 परिवार, सी-13/12 मस्जिद वाली गली, सी-13/4, व्यास लाइन, शास्त्री मार्ग, प्रताप मार्ग आदि से के पास बहुत सारे वोटर छुटे हुए हैं। इस मौके पर पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा, पूर्व विधायक राजकुमार, रमेश कुमार मंगू, दीप बोहरा, हरिप्रसाद भटट, जाहिद अंसारी, सिद्धार्थ वर्मा, पियूष गौड़, मोहन गुरूंग, अनूप कपूर, आनन्द त्यागी, भरत शर्मा आदि उपस्थित थे।

मोटरसाईकिल की चपेट में आकर युवक घायल

संवाददाता

देहरादून। मोटरसाईकिल की चपेट में आकर युवक के घायल होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पंडितवाडी निवासी उमा शर्मा ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका बेटा प्रेमनगर से घर की तरफ आ रहा था जब वह प्रेमनगर चौक पर पहुचा तभी एक तेज गति से आ रहे मोटरसाईकिल सवार ने उसको टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया।

ण्पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

नौ लाख में वाहन बेच कागजात ना देने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। वाहन के नौ लाख रूपये लेकर कागजात ना देने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार जोहडी गांव निवासी सूरज सिह ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 20 सितम्बर 2023 को उसको तीन व्यक्तियों गौरव चौहान, आदेश कश्यप व विवेक चौधरी (बिट्टू) ने एक वाहन थार जीप कार जिसको विक्रय करने के लिए दिखाया और बताया कि वाहन स्वामी अॅशुल बिष्ट वर्तमान समय में विदेश में सेवारत है, उसने उनको वाहन के पूरे पेपर्स देकर विक्रय करने को दिया हुआ है और यह भी बताया कि वाहन बैंक से पूर्ण रूप से ऋण मुक्त है। बैंक का कोई बकाया नहीं है। इसके बाद उसके साथ वाहन का सौदा नौ लाख रूपये तय किया, पूरी तय रकम उसनें इनको अदा कर दिया गया हैं। उक्त तीनों व्यक्तियों ने उसको केवल वाहन का रजि. कार्ड व विक्रय पत्र (सैल लैटर) देकर वाहन को सौंप कर कहा कि वाहन के अन्य सभी पेपर जैसे कि वाहन स्वामी का (पहचान पत्र), फोटो, व नो डयूज सर्टिफिकेट 15 दिन बाद बैंक से मिलने पर ही उसको दे देंगे। लेकिन अफसोस है कि दो महिने से अधिक हो गये अभी तक भी शेष पेपर उसको नहीं दिये हैं। बार-बार उसके माँगने पर गुमराह करके धोखा दे रहे है। उसको बैंक से ज्ञात हुआ कि अभी भी रूपये 3 लाख 13 हजार 430 रूपये बैंक का ऋण शेष है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बिजली की दरों में वृद्धि के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन, राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

संवाददाता

देहरादून। बढती बिजली की दरों के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर जिला प्रशासन के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां राज्य में बिजली दरों में वृद्धि के खिलाफ कांग्रेस द्वारा राज्यपाल को एक ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से दिया गया। महानगर अध्यक्ष डॉ जसविंदर सिंह गोगी के नेतृत्व में ज्ञापन देने कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने विद्युत दरों में विगत सात सालों में 45 प्रतिशत की वृद्धि को राज्य की जनता से खुली लूट बताया। गोगी ने कहा कि पहले तो पिछले वर्ष एडिशनल सिक्योरिटी चार्ज के नाम पर लोगों को लूटा गया, बड़े लोगों को छोड़ कर आम उपभोक्ताओं के कनेक्शन बिजली विभाग ने काटे और अब डबल इंजन की सरकार ने ये तोहफा राज्य की जनता को दिया है। 2014 में भाजपा सरकार के आने के बाद लोगों की जरूरत की हर चीज चाहे वो गैस हो, पेट्रोल हो, बिजली हो, दालें और अन्य खाद्य पदार्थ हो भयानक महंगी हो चुकी है लेकिन उस अनुपात में लोगों की आय नहीं बढ़ी है। गोगी ने कहा कि रिजर्व बैंक ने स्वयं कहा है कि भारत में शुद्ध घरेलू बचत दर 47 सालों के निम्नतम स्तर पर आ चुकी है। ऐसी परिस्थिति में विद्युत दरें बढ़ाने का निर्णय आम जनता पर सीध ा अत्याचार है। राज्यपाल को इसमें हस्तक्षेप करना चाहिए। प्रतिनिधिमण्डल में मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष पूरण सिंह रावत,प्रदेश प्रवक्ता आशीष नौटियाल, इलियास अंसारी, वीरेंद्र पवार, अभिषेक तिवारी, लकी राणा आदि सम्मिलित थे।

न्यू कोचिंग पॉलिसी से शिक्षा में आएंगे सुधार!

–सुनील कुमार महला

हाल ही में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने कोचिंग संस्थानों के लिए नए दिशा–निर्देशों की घोषणा की है, जो बहुत ही स्वागत योग्य कदम है। वास्तव में शिक्षा मंत्रालय द्वारा ये कदम कोचिंग संस्थानों को विनियमित करने के लिए दिशा–निर्देश एक कानूनी ढांचे (लीगल फ्रे मवर्क) की आवश्यकता को पूरा करने के साथ–साथ ही बेतरतीब तरीके से निजी कोचिंग संस्थानों की बडोतरी को रोकने के लिए उठाए गए हैं। सच तो यह है कि आज पडाई के तनाव में छात्रों की आत्महत्याओं के मामले देश में लगातार बडते ही जा रहे हैं और पैरेंट्स के द्वारा कोचिंग संचालकों की मनमानी की शिकायतें भी लगातार आ रही हैं। इसी वजह से यह नए नियम न्यू कोचिंग पालिसी और नए नियम शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए हैं।

आज हमारे देश में गली–गली, मोहल्ले–मोहल्ले, शहर–शहर यहां तक कि गांवों तक में अनगिनत कुकरमुत्ते की भांति कोचिंग संस्थान खुल चुके हैं और इन कोचिंग संस्थानों में 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों का नामांकन किया जा रहा है और अच्छे रैंक, अच्छे मार्क्स प्राप्त करने की गारंटी भी दी जा रही है और उसके नाम पर मोटी फीस वसूली जा रही है। वास्तव में कोचिंग संस्थान अच्छे नंबरों, अच्छी रैंक दिलाने

वाले, अभिभावकों और छात्रों को गुमराह करने वाले वादे नहीं कर सकते हैं। जानकारी देना चाहूंगा कि कोचिंग संस्थान कोचिंग की गुणवत्ता या उसमें दी जाने वाली सुविधाओं या ऐसे कोचिंग संस्थान या उनके संस्थान में पडे छात्र द्वारा प्राप्त परिणाम के बारे में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी भी दावे को लेकर कोई भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित नहीं कर सकते हैं या प्रकाशित नहीं करवा सकते हैं या प्रकाशन में भाग नहीं ले सकते हैं। वर्तमान में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा कोचिंग संस्थानों के लिए नए दिशा–निर्देशों के अनुसार अब कोई भी कोचिंग संस्थान 16 वर्ष से कम आयु के छात्रों का नामांकन नहीं कर सकेंगे।

हाल में जारी दिशा–निर्देशों के अनुसार, अब कोई भी कोचिंग सेंटर स्नातक से कम शिक्षा वाले ट्यूटर को नियुक्त नहीं करेगा। दूसरे शब्दों में कहें तो कोचिंग संस्थानों में पडाने के लिए नई गाइडलाइन के मुताबिक शिक्षकों का ग्रेजुएट होना अनिवार्य है। वास्तव में छात्रों का नामांकन सिर्फ सेकेंडरी स्कूल एक्जामिनेशन के बाद होना चाहिए। अब कोचिंग संस्थान कोचिंग की गुणवत्ता या कोचिंग में प्रस्तावित सुविधाओं या हासिल किए गए परिणाम या कक्षाओं का हिस्सा रहे छात्रों के बारे में किसी भी दावे से जुडा गुमराह करने वाला विज्ञापन प्रकाशित नहीं कर सकते। कोचिंग सेंटर किसी भी ऐसे ट्यूटर या व्यक्ति की सेवाएं नहीं ले सकते जिसे नैतिक रूप से भ्रष्टता के किसी अपराध में दोषी ठहराया गया हो। अब कोचिंग सेंटरों की वेबसाइट भी होगी जिन पर ट्यूटरों की शैक्षिक योग्यता, पाठ्यक्रमों, उन्हें पूरा किए जाने की समयावधि, छात्रावास आदि की सुविधाएं और कोचिंग संस्थानों द्वारा अभिभावकों से लिए जा रहे शुल्क का ताजा विवरण होगा। इतना ही नहीं कोचिंग बीच में छोडने पर कोचिंग संस्थानों को यथानुपात फीस भी लौटानी होगी। अब से पहले अधिकतर मामलों में अनुपात के अनुरूप फीस नहीं लौटाई जाती थी। नए जारी दिशा–निर्देशों के मुताबिक, विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए ट्यूशन फीस उचित होनी चाहिए और उसकी रसीद भी अभिभावकों को उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

नए प्रावधानों के अनुसार यदि छात्र ने पाठ्यक्रम की पूरी फीस का भुगतान कर दिया है और वह किसी कारणवश पाठ्यक्रम विशेष को बीच में ही छोड देता है तो उसे 10 दिनों के भीतर यथानुपात में फीस रिफण्ड की जाएगी। इतना ही नहीं, यदि छात्र कोचिंग सेंटर के छात्रावास में रहकर अध्ययन कर रहा था तो छात्रावास एवं भोजनालय की फीस भी अभिभावकों को यथानुपात में रिफंड की जाएगी। किसी भी स्थिति में पाठ्यक्रम जारी रहने के दौरान उसकी उस फीस में बडोतरी नहीं की जाएगी जिसके आधार पर छात्र का नामांकन किया गया है।

नए प्रावधानों के अनुसार अब कोचिंग सेंटरों को तीन माह में पंजीकरण भी करना होगा। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि केंद्र सरकार ने यह सुझाव दिया है कि अत्याधिक शुल्क वसूलने के लिए कोचिंग सेंटरों पर एक लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जाना चाहिए या उनका पंजीकरण रद्द कर दिया जाना चाहिए। पंजीकरण उस स्थिति में रद्द होगा जब कोचिंग संस्थानों द्वारा सरकार द्वारा जारी नियमों का उल्लंघन किया जाएगा। यहां यह उल्लेखनीय है कि पहली बार नियमों का उल्लंघन करने पर 25000 रुपये जुर्माना लगाया जाएगा। दूसरी बार नियमों का उल्लंघन करने पर कोचिंग संस्थान को एक लाख रुपये जुर्माना लगाया जाएगा। यहां पाठकों को यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि कोचिंग संस्थानों की उचित निगरानी सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने दिशा–निर्देशों के प्रभावी होने के तीन महीनों के भीतर नए एवं पहले से मौजूद कोचिंग सेंटरों के पंजीकरण का प्रस्ताव किया है। इतना ही नहीं, कोचिंग सेंटरों की गतिविधियों की निगरानी के संबंध में भी यह निर्देश जारी किए गए हैं कि इसके लिए राज्य सरकार जिम्मेदार होगी। *(ये लेखक के अपने विचार हैं)*

छोटी सी उम्र में ही बच्चों को सिखा दें खाने-पीने से जुड़ी अच्छी आदतें

अगर छोटी उम्र से ही बच्चों को खाने से जुड़ी अच्छी आदतें सिखा दी जाएं तो इससे उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक असर पड़ता है। इससे उनका विकास भी बेहतर तरीके से होता है। आइए आज आपको बताते हैं कि खाने.पीने से जुड़ी ऐसी कौन सी अच्छी आदतें हैं जिनके बारे में बच्चों को छोटी सी उम्र में ही बताना और इन्हें उनकी दिनचर्या में शामिल करना जरूरी है।

खाने से पहले हाथों को धोना

यह सबसे जरूरी आदतों में से एक है और बच्चों को खाना खाने से पहले हाथ धोना सिखाना बेहद जरूरी है। उन्हें समझाएं कि अगर वह खाना खाने से पहले हाथ नहीं धोते हैं तो इससे कीटाणुओं का खतरा बढ़ सकता है। सिर्फ खाने से पहले ही नहींए बल्कि खाना खाने के बाद और जब भी बच्चे बाहर या बाथरूम से आएं तो उन्हें हाथ धोने की आदत लगाएं। यह आदत बीमारियों से बचाने का काम करेगी।

पौष्टिक आहार की जानकारी

बच्चे पौष्टिक आहार लेने की आदत तभी सीख सकते हैंए जब आप उन्हें इसके बारे में अच्छे से बताएंगे। उन्हें बताएं कि किस तरह के आहार से क्या फायदा मिल सकता है। उदाहरण के लिए बच्चों को फ्लों और सब्जियों में मौजूद पौष्टिक तत्वों के बारे में बताएं और घर में ज्यादा से ज्यादा हरी.सब्जियां और फ्ल रखें ताकि बच्चे समझ सकें कि ये स्वस्थ आहार हैं। बच्चे के साथ माता.पिता को भी अच्छे पौष्टिक आहारों का सेवन करना चाहिए।

पर्याप्त मात्रा में पानी पीना सिखाएं

बच्चों की सेहत के लिए पौष्टिक आहार जितना जरूरी हैए ठीक उतना ही महत्वपूर्ण समय.समय पर पानी पीना है। इसलिए माता.पिता बच्चों को ज्यादा से ज्यादा पानी पीने की सलाह दें। 5 से 8 साल के बच्चे को दिन में लगभग पांच गिलास पानी जरूर पिलाएं। वहीं 9 से 12 साल के बच्चे के लिए रोजाना डेढ़ लीटर पानी जरूरी है। 13 साल से अधिक उम्र के बच्चों के लिए नियमित 8.1० गिलास पानी का सेवन करना महत्वपूर्ण है।

खाने का समय निर्धारित करें

खाने के साथ.साथ खाने का समय भी काफी मायने रखता है। इससे हमारा मतलब यह है कि माता.पिता बच्चों के खाने.पीने का एक समय निर्धारित जरूर करें और खुद भी इसका पालन करें। उदाहरण के लिएए बच्चों के ब्रेकफास्टए लंचए स्नैक्स और डिनर का एक रूटीन बनाएं और हर रोज ठीक उसी वक्त उन्हें खाना खिलाएं। इससे उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा और उनके खाने की आदत भी सही रहेगी।

महत्वपूर्ण टिप्स

इन बातों पर भी दें खास ध्यान

बच्चों को धीरे.धीरे और खाने को अच्छे से चबाकर खाने के लिए प्रेरित करें। जब भी माता.पिता या फिर घर का कई बड़ा फ्ल और सब्जियां खरीदने जाए तो बच्चों को अपने साथ लेकर जाएं और खरीदारी के दौरान उन्हें फ्ल और सब्जियों के साथ.साथ अन्य पौष्टिक आहारों के फायदे बताएं। बच्चे को टीवी देखते या फिर मोबाइल चलाते समय खाना न खाने दें। इसके अलावा बच्चों को खाने से संबंधित इनाम या सजा देने से बचें।

एक्सरसाइज करने का सही समय क्या है

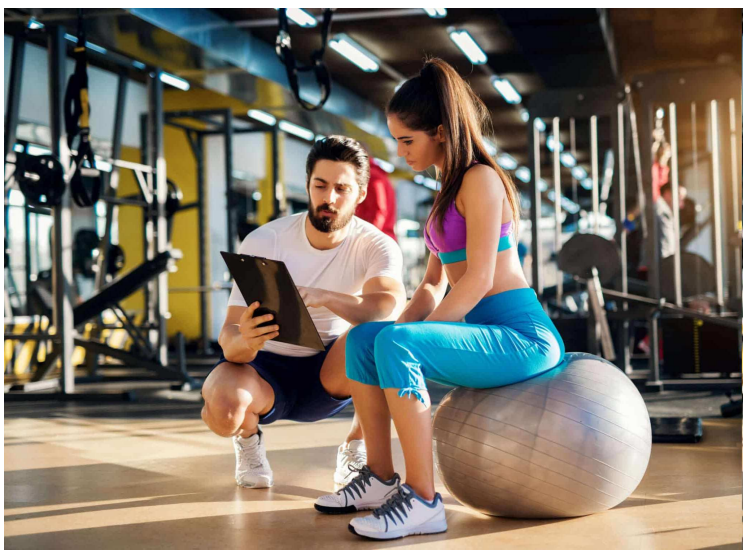

जिस तरह से एक्सरसाइज की सही तकनीक मालूम होना जरूरी है, ठीक उसी तरह समय पर एक्सरसाइज करना भी महत्वपूर्ण है, तभी इससे मनचाहा परिणाम मिल सकता है।हालांकि, बहुत से लोगों के मन में यह उलझन बनी रहती है कि वजन कम करने के लिए एक्सरसाइज करने का सबसे अच्छा समय कौन–सा होता हैहाल ही में एक अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है कि एक्सरसाइज किस समय करना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।

कहां किया गया यह अध्ययन

ऑस्ट्रेलिया में सिडनी विश्वविद्यालय में हुए एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि शाम के समय कसरत करना लाभदायक हो सकता है, खासकर मोटापे से ग्रस्त लोगों के लिए।अध्ययन में पाया गया कि जिन अधिक वजन वाले लोगों ने शाम के समय एक्सरसाइज की, उनमें एक्सरसाइज न करने वाले या किसी अन्य समय पर एक्सरसाइज करने वालों की तुलना में हृदय संबंधी समस्याओं या मृत्यु होने की संभावना कम थी।

एक्सरसाइज के समय का स्वास्थ्य पर प्रभाव

इस बात पर लंबे समय से बहस चल रही है कि एक्सरसाइज किस समय करना फायदेमंद होता है, लेकिन यह हमारी सर्कैडियन लय पर निर्भर करता है।सर्कैडियन लय हमारे शरीर की आंतरिक घड़ी होती है, जो हमारे मूड, मेटाबॉलिज्म, शरीर के तापमान और कई अन्य चीजों को नियंत्रित करती है, इसलिए यह संभव है कि एक्सरसाइज का समय हमें इससे मिलने वाले लाभ को प्रभावित कर सकता हैइस वजह से सही समय पर एक्सरसाइज करना महत्वपूर्ण है।

अध्ययन के लिए यूके बायोबैंक के डाटा का किया गया इस्तेमाल

इस अध्ययन के लिए ऑस्ट्रेलियाई अनुसंधान टीम ने यूनाइटेड किंगडम (यूके) बायोबैंक के डाटा का इस्तेमाल किया, जो यूके के निवासियों के स्वास्थ्य की निगरानी करने वाली एक व्यापक परियोजना है।शोधकर्ता टीम ने 4० वर्ष से अधिक आयु के लगभग 3०,००० मोटापे से ग्रस्त के स्वास्थ्य का विश्लेषण किया, जिन्हें पहले कोई हृदय रोग नहीं था।इसके लिए प्रतिभागियों को शाम के समय कुछ एक्सरसाइज करने को कहा गया।

8 वर्षों के अध्ययन के बाद निकाला गया निष्कर्ष

प्रतिभागियों के स्वास्थ्य पर लगभग 8 वर्षों तक निगरानी रखी गई और सामने आया कि शाम के समय एक्सरसाइज करना काफी फायदेमंद है।शोधकर्ताओं के मुताबिक, एचआईएफ–1ए नामक प्रोटीन जो वजन कम करने में मददगार है, वो शाम के समय ज्यादा सक्रिय रहता है।।अध्ययन के परिणाम डायबिटीज केयर जर्नल में प्रकाशित किए गए हैं और लेखकों का मानना है कि उनके निष्कर्ष उन लोगों की मदद कर सकते हैं, जिन्हें मोटापा, हृदय रोग और मधुमेह है।

कानूनी सख्ती के बावजूद क्यों पनप रही है बाल तस्करी

–ललित गर्ग

देश की राजधानी दिल्ली में तमाम जांच एजेंसियों की नाक के नीचे नवजात बच्चों की खरीद-फरोख्त की मंडी चल रही थी, जहां दूधमुंहे एवं मासूम बच्चों को खरीदने-बेचने का धंधा चल रहा था। दिल्ली की 'बच्चा मंडी' के शर्मनाक एवं खौफनाक घटनाक्रम का पर्दापाश होना, अमानवीतया एवं संवेदनहीनता की चरम पराकाष्ठा है। जिसने अनेक ज्वलंत सवालों को खडा किया है। आखिर मनुष्य क्यों बन रहा है इतना क्रूर, अनैतिक एवं अमानवीय? सचमुच पैसे का नशा जब, जहां, जिसके भी सर चढता है वह इंसान शैतान बन जाता है। दिल्ली के केशवपुरम इलाके में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने छापेमारी कर ऐसे ही शैतानों के कुकृत्यों का भंडाफोड किया और एक महिला समेत सात लोगों को रंगेहाथ गिरफ्तार किया, इसके साथ ही तीन नवजात शिशुओं को उनके चंगुल से बचाया। आरोपियों में एक अस्सिटेंट लेबर कमिश्नर को इस धंधे का मास्टर माइंड माना जा रहा है। न केवल दिल्ली वालों के लिए बल्कि देशवासियों के लिए यह खबर चिंता पैदा करने वाली ही नहीं है, बल्कि खौफ पैदा करने वाली भी है। दिल दहाले देने वाली इस घटना में सीबीआई की अब तक की जांच से पता चला है कि आरोपी फेसबुक पेज और व्हाट्सएप ग्रुप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर विज्ञापन के माध्यम से बच्चे गोद लेने के इच्छुक निसंतान दंपतियों से जुडते थे। आरोपी कथित तौर पर वास्तविक माता-पिता के साथ-साथ सेरोगेट माताओं से भी नवजात बच्चे खरीदते थे। इन नवजात बच्चों को चार से छह लाख रुपए में बेच दिया जाता था। जांच से जुडे सीबीआई अधिकारियों के अनुसार एजेंसी की गिरफ्त में आए आरोपी बच्चों को गोद लेने से संबंधित फर्जी दस्तावेज तैयार कराते थे। आरोपी कई निसंतान दंपतियों से लाखों रुपए की ठगी करने में भी संलिप्त हैं। इस गिरोह के तार कहां-कहां हैं इसकी भी कडियां जोडी जा रही हैं। यह गिरोह आईवीएफ के माध्यम से युवतियों को गर्भधारण कराता था फिर इन शिशुओं को बेचता था। गरीब माता-पिता से भी बच्चे खरीदे जाते थे। बच्चों की खरीद-फरोख्त और बच्चों की तस्करी एक ऐसी समस्या है जिस पर तभी ध्यान जाता है जब कोई सनसनीखेज खबर सामने आती है। अर्थ की अंधी दौड में इंसान कितने क्रूर एवं अमानवीय घटनाओं को अंजाम देने लगा है कि चेहरे ही नहीं चरित्र तक अपनी पहचान खोने लगे हैं। नीति एवं निष्ठा के केन्द्र बदलने लगे हैं। मानवीयता एवं नैतिकता की नींव कमजोर होने लगी है। आदमी इतना खुदगर्ज बन जाता है कि उसकी सारी संवेदनाएं सूख जाती है। बाल तस्करी के खिलाफ कई सख्त कानूनी प्रावधानों के बावजूद भारत में यह समस्या नासूर बनती जा रही है। नवजात बच्चे चुराने वाले गिरोह के पर्दाफाश से फिर यह तथ्य उभरा है कि बच्चों के भविष्य से खिलवाड करने वालों में कानून का कोई खौफ नहीं है। बच्चों की तस्करी पर भारी जुर्माने के साथ उम्रकैद तक का प्रावधान होने के बावजूद यह क?वी हकीकत है कि ऐसे दस फीसदी से भी कम मामले दोषियों को सजा तक पहुंच पाते हैं। मुकदमों की पैरवी सही तरीके से नहीं होने के कारण अपराधी बच निकलते हैं और वे फिर बाल तस्करी एवं बच्चों की खरीद-फरोख्त में लिप्त हो जाते हैं। बाल तस्करी एवं बच्चों की खरीद-फरोख्त के अनेक कारण हैं। निसंतान दंपतियों द्वारा बच्चों को खरीदना एकमात्र कारण नहीं है बल्कि गरीबी, अशिक्षा, आर्थिक विषमता, सुविधावादी जीवनशैली, भौतिकवाद, बच्चों की अधिक संख्या, बेरोजगारी भी ब?ा कारण है। पैसे की अपसंस्कृति ने अपराधों को अनियंत्रित किया है। पैसे कमाने के लिए कई लोग बाल तस्करी एवं बच्चों की खरीद-फरोख्त के व्यापार में लग गए हैं। वो गरीब लोगों को बहकाकर उनके बच्चों को काम दिलवाने का झांसा देकर शहर ले जाते हैं फिर शहर में जाकर उन बच्चों को बेचा जाता है फिर शुरू होता है बच्चों के शोषण का अंतहीन सिलसिला। जो बच्चे खो जाते हैं उनको अपराधी अगवा कर बेच देते हैं। ल?कियों को देह व्यापार के लिए विवश किया जाता है। हजारों बच्चों को फैक्ट्रियों में बंधुआ मजदूर बना दिया जाता है। 16-16 घंटे काम कराके इनको भर पेट खाना भी नसीब नहीं होता। इन सब कारणों से देश का बचपन कराह रहा है। देश में युवाओं के एक वर्ग की सोच में बदलाव भी परोक्ष रूप से बाल-तस्करी को ब?ावा दे रहा है। एक सर्वे में खुलासा हुआ था कि भारत के नौ फीसदी युवा शादी तो करना चाहते हैं लेकिन बच्चे नहीं पैदा करना चाहते। संतान सुख के लिए उन्हें बच्चे खरीदने से परहेज नहीं है। हैरत की बात यह है कि देश के ढाई करो? से ज्यादा अनाथ बच्चों में से किसी को गोद लेने का विकल्प होने के बावजूद ऐसे युवा कई बार बाल तस्करी करने वालों से संपर्क तक साध लेते हैं। बाल-तस्करी भारत की एक उभरती एवं ज्वलंत समस्या है। यह केवल भारत की ही नहीं, दुनिया की बडी समस्या है। पिछले साल एक एनजीओ की रिपोर्ट में बताया गया था कि 2016 से 2022 के बीच बाल तस्करी के सबसे ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश में दर्ज किए गए, जबकि आंध्र प्रदेश और बिहार क्रमश- दूसरे, तीसरे नंबर पर थे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

दांत के साथ साथ जीभ की भी करें सफाई

हर सुबह उठकर दांतों की सफाई करना अच्छा माना जाता है लेकिन अगर जीभ की सफाई को अनदेखा कर देते हैं तो खतरनाक हो सकता है। जीभ की सफाई करना बेहद जरूरी होता है। इससे ओरल हाइजीन (ह्रह्लड्डद्य ड्ड4द्दद्बद्गठ्ठद्ग) बनी रहती है और कई समस्याओं से आप बच जाते हैं। जीभ की सफाई न करने पर मुंह से बदबू आने लगती है। कई ओरल प्रॉबलम्स हो सकती है। बैक्टीरिया कई गंभीर बीमारियों को पैदा कर सकते हैं। ऐसे में यहां जानिए जीभ की सफाई करने के कुछ टिप्स।।।

नमक और सरसों तेल

जीभ साफ करने के लिए नमक काफी अच्छा माना जाता है। इसके लिए थोड़े से नमक में सरसों की तेल की कुछ बूंदें मिलाएं और जीभ पर लगाएं। इसके बाद ब्रश के पिछले हिस्से से जीभ पर हल्के हाथों से रगडक़र जीभ पर जमी गंदगी को साफ करें।

दही

जीभ की सफाई में दही भी काफी अच्छा विकल्प माना जाता है। इससे गंदगी और सफेद परत अच्छी तरह साफ हो जाती है। दरअसल, दही में प्रोबायोटिक्स और लैक्टिक एसिड पाई जाती है। एक चम्मच दही लेकर जीभ पर लगाएं और ब्रेश के पिछले हिस्से से साफ करें।

बेकिंग सोडा और नींबू रस

बेकिंग सोडा जीभ की गंदगी की अच्छी तरह सफाई करता है। थोड़ा सा बेकिंग सोडा लेकर उसमें नींबू का रस मिला लें। इसे पसे्ट बनाकर फिंगर टिप की मदद से जीभ पर मसाज करें। कुछ देर बाद गर्म पानी से कुल्ला करें। इससे जीभ अच्छी तरह साफ होगा।

वेजिटेबल ग्लिसरीन

जीभ की साफ-सफाई में वेजिटेबल ग्लिसरीन भी काम आ सकता है। इसके लिए थोड़ा सा ग्लिसरीन लेकर जीभ पर रखकर ब्रश से साफ करें। इसके बाद गर्म पानी से कुल्ला करें। जीभ अच्छी तरह साफ हो जाएगा।

हल्दी

जीभ साफ करने में कई घरेलू उपायों में से एक हल्दी भी है। हल्दी पाउडर में नींबू का थोड़ा सा रस मिलाकर पेस्ट बना लें और फिर इसे जीभकर पर लगाकर फिंगर टिप से मसाज करें। कुछ देर बाद गर्म पानी से कुल्ला करें। (आरएनएस)

पुराने सोफे को देना है नया लुक तो अजमाएं ये तरीके

क्या आपका पुराना सोफा बोरिंग और बेजान लगने लगा है तो आप कुछ आसान और सस्ते तरीके अपनाकर सोफा को फिर से नया और आकर्षक लुक दे सकते हैं। आइए जानते हैं कैसे?

घर का सोफा न सिर्फ आराम का स्थान होता है बल्कि यह लिविंग रूम की शोभा भी बढ़ाता है। पर, समय के साथ सोफे पुराने और बेजान लगने लगते हैं। यहां कुछ आसान तरीके हैं जिनसे आप अपने पुराने सोफे को नया लुक दे सकते हैं।

सोफे को नया कवर दें

बाजार में विभिन्न डिजाइन और रंगों में सोफा कवर उपलब्ध हैं। एक नया और आकर्षक कवर चुनकर आप अपने सोफे को तुरंत नया लुक दे सकते हैं।

कुशन और तकिए बदलें- नए, रंग-बिरंगे कुशन और तकिए आपके सोफे को नया लुक दे सकता है। ये न केवल आरामदायक होते हैं बल्कि देखने में भी बहुत सुंदर लगते हैं।

सफाई और मरम्मत

कभी-कभी सोफे को बस एक अच्छी सफाई की जरूरत होती है। विशेष सफाई उत्पादों और तकनीकों से सोफे की सफाई करें। यदि सोफे में खराबी है तो उसकी मरम्मत कराएं।

पेंट या डाई

कुछ सोफे के कपड़े को डाई करना संभव होता है। अगर आपका सोफा इसके लिए उपयुक्त है तो आप अलग लुक दे सकते हैं।

नई एक्सेसरीज़ जोड़ें

सोफे पर नई एक्सेसरीज़ जैसे कि फूलों का गुच्छा, एक सुंदर टेबल लैम्प या डेकोरेटिव आइटम रखकर आप सोफे के आसपास का माहौल बदल सकते हैं। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -153

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे

1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाला 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पाचंवा हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

1		■	2	3	■	4	5	6
	■	7			■	■	8	
9			■	10		11	■	
■	■	12			■	13	14	
15	16		■	■	■	17		■
18		■	19	20			■	21
■	22	23			■	■	■	
■	■		■	■	24	■	25	
26			■	27				

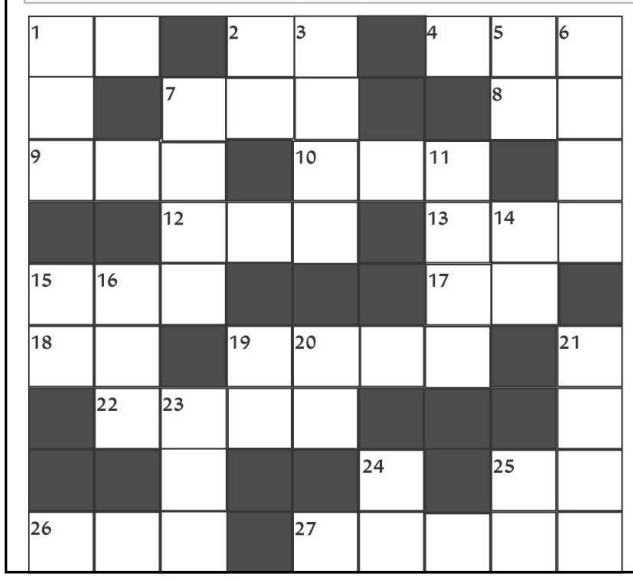

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 152 का हल

वि	ज	य		ब	नि	या		दे
वा		ती	त	र		रा	जी	व
ह	मा	म		स	प	ना		ता
	न				टा			
दा	व	त		वि	ना	श		अ
य		ह	त्या			ह	र्जा	ना
रा	ह	त		न	ज	र		व
	वा				मी		ना	श्य
दु	ला	रा		जा	न	की		क

हुमा कुरैशी की आगामी फिल्म का नाम होगा गुलाबी, शुरू हुई शूटिंग

बीते महीने महिला दिवस के मौके पर हुमा कुरैशी ने अपनी नई फिल्म का एलान किया था। इस फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदार विपुल मेहता संभालेंगे। आज से इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है। साथ ही फिल्म के नाम से पर्दा उठ गया है। हुमा कुरैशी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह जानकारी फैंस के साथ साझा की है।

हुमा कुरैशी की अगली फिल्म का नाम गुलाबी है। इस फिल्म में हुमा कुरैशी ऑटो चालक की भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म में वह एक ऑटो ड्राइवर और उसकी दृढ़ इच्छाशक्ति वाली महिला की सच्ची कहानी को दर्शकों के सामने पेश करती दिखेंगी। अपने नई फिल्म की घोषणा करते हुए हुमा ने सोशल मीडिया पर लिखा था, मैं विशाल राणा और जियो स्टूडियो के साथ नई फिल्म को लेकर बहुत उत्साहित हूं।

आज अभिनेत्री ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। इसमें वह फिल्म विशाल राणा और विपुल मेहता के साथ नजर आ रही हैं। इसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा है, फिल्म गुलाबी की शूटिंग शुरू हो चुकी है। अभिनेत्री के इस पोस्ट पर यूजर्स कमेंट कर रहे हैं।

हुमा के फैंस के साथ-साथ तमाम सितारे भी हुमा को बधाई दे रहे हैं। नुपुर सेनन ने लिखा, आपको बहुत शुभकामनाएं। जूही परमार ने लिखा, गुड लक। वर्क फ्रंट की बात करें तो बीते दिनों हुमा कुरैशी अपनी चर्चित वेब सीरीज महारानी 3 को लेकर खूब चर्चा में रही हैं। अभिनेत्री के अभिनय की दर्शकों ने दिल खोलकर तारीफ की। इस सीरीज के पिछले दो सीजन में भी हुमा दमदार अंदाज में नजर आईं। सोनी लिव की महारानी सीरीज के तीसरे सीजन में हुमा पूरी तरह छा गईं।

विक्रम के प्रशंसकों को मिला तोहफा, सामने आई फिल्म तंगलान की पहली झलक

अभिनेता चियान विक्रम का आज जन्मदिन है। बॉलीवुड सितारे अक्सर अपने जन्मदिन पर अपने प्रोजेक्ट से जुड़ी अपडेट साझा कर फैंस को तोहफा देते रहे हैं। इस परंपरा को अभिनेता विक्रम ने भी बखूबी निभाया है। उन्होंने आज अपनी आगामी बहुचर्चित फिल्म तंगलान का फर्स्ट लुक साझा किया है। यह फिल्म अभी निर्माण प्रक्रिया में है। उम्मीद है कि जल्द ही इसकी रिलीज डेट का भी एलान होगा।

तंगलान एक ऐतिहासिक एडवेंचर फिल्म है, जिसे पैन इंडिया स्तर पर रिलीज किया जाएगा। यानि फिल्म तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी भाषाओं में व्यापक स्तर पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्साह है। इस बीच आज विक्रम के जन्मदिन के मौके पर इस उत्साह में मेकर्स ने और इजाफा कर दिया है। फैंस को तोहफा देते हुए मेकर्स ने फिल्म से जुड़ा एक स्पेशल वीडिया साझा किया गया है।

इस फिल्म का निर्देशन पा.रंजीत कर रहे हैं। विक्रम के जन्मदिन पर जारी किए गए इस वीडियो को लेकर उन्होंने कहा, फिल्म तंगलान सच्ची घटनाओं पर आधारित एक ऐतिहासिक फिल्म है, जिसमें विक्रम और पूरी टीम की अथक मेहनत है। जियो स्टूडियो और स्टूडियो ग्रीन फिल्म्स इस फिल्म का निर्माण कर रहे हैं। निर्देशक ने आगे कहा, मुझे पूरा यकीन है कि यह फिल्म दुनियाभर के दर्शकों तक पहुंचेगी और पसंद आएगी।

रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन की रिलीज तारीख टली, पुष्पा 2 से नहीं होगा सामना

अल्लू अर्जुन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म पुष्पा- द रूल को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 15 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म सामना रोहित शेट्टी के निर्देशन में बन रही फिल्म सिंघम अगेन से होने वाला है, लेकिन अब ऐसा लगा रहा है कि दर्शकों को सिंघम अगेन के लिए लंबा इंतजार करना होगा।नई खबर के मुताबिक, सिंघम अगेन और पुष्पा 2 के बीच कोई टकराव नहीं होगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, सिंघम अगेन की रिलीज तारीख को टाल दिया गया है। रोहित इस फिल्म को दिवाली, 2024 पर रिलीज करने का विचार कर रहे हैं।अब सिंघम अगेन का पुष्पा 2 से टकराव नहीं होगा। फिलहाल इस खबर की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।सूत्र ने कहा, रोहित शेट्टी और सिंघम अगेन टीम ने फिल्म की रिलीज तारीख को टाल दिया है। फिल्म अपने आखिरी चरण में है। निर्माता कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहते।

सिंघम अगेन इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शुमार है। रणवीर सिंह से लेकर अजय देवगन, अर्जु कपूर, दीपिका पादुकोण और करीना कपूर तक की झलक फिल्म से सामने आ चुकी थी।रोहित के कॉप यूनिवर्स की शुरुआत अजय के साथ 2011 में आई फिल्म सिंघम से हुई थी।इसके बाद 2014 में अजय की सिंघम रिटर्न्स, 2018 में रणवीर की सिम्बा और 2020 में अक्षय कुमार की सूर्यवंशी के साथ यूनिवर्स बड़ा होता चला गया। (आरएनएस)

सुपर योद्धा बनकर हनुमान फेम एक्टर तेजा सज्जा करेंगे दुश्मनों का सर्वनाश

तेलुगू सिनेमा की पैन इंडिया फिल्म हनुमान फेम एक्टर तेजा सज्जा एक बार फिर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने आ रहे हैं. हनुमान की सक्सेस के बाद हाल ही में उनकी नई फिल्म का एलान किया गया था. एक्टर की फिल्म के नाम, एक्टर के फर्स्ट लुक से पर्दा हट गया है और साथ फिल्म का धांसू टीजर भी रिलीज हो गया है. तेजा सज्जा की नई पैन इंडिया फिल्म का नाम मिराय है, जो एक सुपरयोद्धा सम्राट अशोक की कहानी है. यह एक एडवेंचर्स फिल्म है, जो हनुमान जैसा मजा देने वाली है. यह फिल्म 18 अप्रैल 2025 को तेलुगू के साथ-साथ तमिल, मलयालम, हिंदी और कन्नड़ भाषा में सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

एक्टर तेजा सज्जा ने बीती 15 अप्रैल को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर लिखा था, मास्टर क्राफ्ट्समैन कार्तिक घटमनेनी और पीपूल मीडिया फैक्ट्री के साथ सहयोग कर बहुत खुश हूं, मेरी अगली फिल्म, जो एक एडवेंचर्स है और आप सभी के लिए सुपर योद्धा की ओर से सरप्राइजिंग गिफ्ट भी,जिसके टाइटल की झलक आपको को दिखेगी, आप सभी के प्यार और आशीर्वाद की जरूरत है.

ऐसे अपने वायदे के पूरा करते हुए एक्टर ने अपनी नई फिल्म की झलक अपने फैंस को दे दी है. बता दें, इस फिल्म को कार्तिक घटमनेनी डायरेक्ट कर रहे हैं और विश्व प्रसाद इस फिल्म के प्रोड्यूसर हैं. बता दें, बता दें, 28 साल के तेजा सज्जा साल 1998 से फिल्मों में एक्टिव हैं और बतौर चाइल्ड एक्टर कई फिल्मों में काम कर चुके हैं. तेजा को पिछली बार फिल्म हनु-मैन में देखा गया था, जो मकर संक्रांति के मौके (12 जनवरी 2024) को रिलीज हुई थी. इस फिल्म से तेजा को वर्ल्डवाइड पॉपुलैरिटी मिली थी. 40 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने 300 करोड़ रुपये से ज्यादा का बिजनेस किया था. इस फिल्म के वीएफएक्स पर दुनियाभर के फिल्ममेकर्स की नजर पड़ी थी और क्रिटिक्स ने भी फिल्म को खूब सराहा था.

दुलकर सलमान की फिल्म लकी भास्कर का दमदार टीजर जारी

साउथ अभिनेता दुलकर सलमान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म लकी भास्कर को लेकर चर्चा में है। अभिनेता ने इंडस्ट्री में अपने 12 साल पूरे होने पर फिल्म से अपना पहला लुक जारी किया था। वहीं अब फैंस का उत्साह बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने आज ईद के मौके पर लकी भास्कर का मजेदार टीजर जारी किया है, जिसमें बॉम्बे के मगाडा बैंक में एक कैशियर के रूप में दुलकर के चरित्र की एक झलक पेश की गई है।

टीजर में फिल्म की कहानी की छोटी से झलक देखने को मिली। टीजर वीडियो में दिखाया गया कि भास्कर बने दुलकर सलमान एक बैंकर की भूमिका निभाते हैं, जो फिल्म में एक काल्पनिक मगध बैंक में काम करते हैं। ऐसा लगता है कि वे रोज-रोज जागने, कपड़े पहनने, ट्रैफिक से बचने और कभी-कभी बैंक में जाकर केवल सिर हिलाने से थक चुके हैं। वे एक आम व्यक्ति हैं, जो अपना पूरा दिन दूसरों के लिए पैसा गिनने में बिताते हैं, लेकिन एक दिन उनके पास अचानक बहुत सारा पैसा आ गया, जिससे सभी को आश्चर्य हुआ कि उन्होंने यह पैसा कैसे कमाया।

टीजर में मीनाक्षी चौधरी को उस महिला के रूप में भी दिखाया गया है, जिससे दुलकर प्यार करते हैं। इससे पहले इस साल फरवरी में दुलकर ने फिल्म से अपना पहला लुक साझा किया था, जिसमें उन्होंने चश्मे के साथ फॉर्मल कपड़े पहने थे। पोस्टर में 100 रुपये के कई नोट भी रखे हुए थे और इधर-उधर पड़े हुए थे, जिसमें उनका किरदार गंदगी के बीच घूमता हुआ दिखाई दे रहा था। अभिनेता के रेट्रो लुक को देखते हुए प्रशंसक फिल्म की कहानी के बारे में कुछ और जानने के लिए उत्सुक थे। वहीं बात करें फिल्म की रिलीज के बारे में तो सीथारा एंटरटेनमेंट द्वारा फॉर्च्यून फोर सिनेमाज के सहयोग से निर्मित यह फिल्म तेलुगु, मलयालम, तमिल और हिंदी में रिलीज होगी। फिल्म के संगीतकार जीवी प्रकाश कुमार हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह फिल्म इस साल जुलाई में रिलीज की जाएगी।

फिल्म वीरा धीरा सूरन का फर्स्ट लुक पोस्टर आउट

विक्रम, तमिल सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में से एक। जल्द ही चियां 62 में नजर आएंगी। फिल्म ने प्रशंसकों के बीच काफी चर्चा पैदा कर दी है क्योंकि इसमें बड़े पैमाने पर नायक को एक नए अवतार में दिखाया गया है और यह फिल्म निर्माता एसयू अरुण कुमार के साथ उनका पहला सहयोग है, जो चिट्ठा पर अपने काम के लिए जाने जाते हैं।

चियान 62 के निर्माताओं ने इसके आधिकारिक शीर्षक की घोषणा की और इसका फर्स्ट लुक पोस्टर साझा किया।

सामी और आई जैसी प्रतिष्ठित फिल्मों के स्टार विक्रम ने अपनी 62वीं फिल्म के लिए एसयू अरुण कुमार के साथ सहयोग किया है।

बिग जी के निर्माताओं ने घोषणा की कि फिल्म का नाम वीरा धीरा सूरन है और एक गहन टीजर जारी किया जो प्रशंसकों को इसकी दुनिया से परिचित कराता है।

इसे पंच संवादों और लड़ाई के दृश्यों के साथ एक एक्शन ड्रामा के रूप में पेश किया गया है। कलाकारों में एसजे सूर्या,

सूरज वेंजारामूडु और सरपट्टा परंबराई स्टार दशहरा विजयन शामिल हैं।

इस बीच, चियान विक्रम काम के मोर्चे पर व्यस्त दौर से गुजर रहे हैं। उन्हें आखिरी बार मणिरत्नम द्वारा निर्देशित पोन्नियिन सेलवन 2 में देखा गया था। पीरियड ड्रामा में कलाकारों की टोली थी जिसमें जयम रवि, ऐश्वर्या राय बच्चन, कार्थी और त्रिशा शामिल थे।

विक्रम वर्तमान में पा रंजीत द्वारा निर्देशित थंगालान की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। ऐतिहासिक एक्शन ड्रामा एक ग्रामीण पर केंद्रित है जो अंग्रेजों के खिलाफ तब खड़ा होता है जब वे उसके सोने के प्लॉट को जब्त करने की कोशिश करते हैं। इसमें मालविका मोहनन और पार्वती प्रमुख महिलाओं के रूप में हैं। सहायक कलाकारों में पसुपति, डैनियल कैल्टागिरोन और अर्जुन अंबुदान शामिल हैं।

विक्रम की झोली में रितु वर्मा और सिमरन की सह-कलाकार ध्रुव नाचथिरम भी है। गौतम मेनन द्वारा निर्देशित, जासूसी-थ्रिलर को कई बार स्थगित किया गया है। यह स्क्रीन पर कब आएगी, इस पर फिलहाल कोई स्पष्टता नहीं है।

आकषर्ण समाज के हर वर्ग में हैं

अवधेश कुमार

इस समय लोक सभा चुनाव को लेकर कई तरह के मत हमारे सामने आ रहे हैं। सबसे प्रबल मत यह है कि भाजपा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अपने सहयोगी दलों के साथ तीसरी बार भारी बहुमत से सरकार में लौट रही है।

कुछ लोग प्रधानमंत्री के 370 भाजपा के और सहयोगी दलों के साथ 400 सीटें मिलने तक की भी भविष्यवाणी करने लगे हैं। दूसरी ओर, विपक्ष इसे खारिज करते हुए कहता है कि भाजपा चुनाव हार रही है और वह 200 सीटों से नीचे चली पाएगी।

विपक्ष भाजपा की आलोचना करती है, नरेन्द्र मोदी पर सीधे प्रहार भी करती है, पर अपने समर्थकों और भाजपा विरोधियों के अंदर भी विश्वास नहीं दिला पाती कि वाकई वह भाजपा से सत्ता छीनने की स्थिति में चुनाव लड़ रहे हैं। आईएनडीआईए गठबंधन (इंडिया) की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस से नेताओं के छोडक़र जाने का कायम सिलसिला इस बात का प्रमाण है कि पार्टी के अंदर कैसी निराशा और हताशा है। तो फिर इस चुनाव का सच क्या हो सकता है? आखिर 4 जून का परिणाम क्या तस्वीर पेश कर सकता है? इस चुनाव की एक विडंबना और है। भाजपा के नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों का एक वर्ग स्वयं निराशाजनक बातें करता है।

व्यक्तिगत स्तर पर मेरी ऐसे अनेक लोगों से बातें होती हैं, जो चुनाव में जमीन पर हैं या वहां होकर लौट रहे हैं। इनमें ऐसे लोगों की संख्या बड़ी है जिनमें उत्साह या आशावाद का भाव न के बराबर मिलता है। वे बताते हैं कि जैसी दिल्ली में या बाहर हवा दिखती है धरातल पर वैसी स्थिति नहीं है। जब उनसे प्रश्न करिए कि धरातल की स्थिति क्या है तो सबके उत्तर में कुछ सामान बातें समाहित होती हैं, गलत उम्मीदवार के कारण लोगों के अंदर गुस्सा या निराशा है, गठबंधन को सीट देने के कारण अपने लोगों के अंदर निराशा है, गठबंधन ने ऐसे उम्मीदवार खड़े किए हैं जिनका बचाव करना या जिनके लिए काम करना भाजपा के कार्यकर्ताओं के लिए कठिन हो गया है आदि। कुछ लोग अनेक क्षेत्रों में जातीय समीकरण की समस्या का उल्लेख भी करते हैं। एक समूह यह कहता है कि आम कार्यकर्ताओं और नेताओं की सरकार में उपेक्षा हुई है, उनके काम नहीं हुए हैं, उनको महत्त्व नहीं मिला है और अब लोगों का धैर्य चूक रहा है।

यहां तक कि जिस तरह के लोगों को पुरस्कार, पद, प्रतिष्ठा या टिकट दिया गया है उनसे भी लोग असहमति व्यक्त करते हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं समर्थकों के साथ विपक्ष की बातों को मिला दिया जाए तो निष्कर्ष यही आएगा कि भले भाजपा 400 पार का नारा दे, लेकिन यह हवा हवाई ही है। किंतु क्या यही 2024 लोक सभा चुनाव की वास्तविक स्थिति है? यह बात सही है कि अनेक राज्यों, जिनमें उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, राजस्थान, पश्चिम बंगाल आदि को शामिल किया जा सकता है वहां पार्टी के अंदर कई जगह उम्मीदवारों को लेकर विरोध है। कुछ उपयुक्त लोगों को टिकट न मिलना तथा ऐसे सांसदों को फिर से उतारना जिनको लेकर कार्यकर्ता नाराजगी प्रकट करते रहे हैं विरोध का एक बड़ा कारण है। साथी दलों ने भी भाजपा के लिए समस्याएं पैदा की है। उदाहरण के लिए बिहार में लोजपा ने ऐसे उम्मीदवार उतारे जो परिवारवाद का साक्षात प्रमाण है और भाजपा के लोगों के लिए इनका बचाव करना कठिन है।

कुछ साथी दलों ने प्रभाविता और साक्षमता की जगह व्यक्तिगत संबंध और परिवार को टिकट देने में प्रमुखता दिया। बिहार के जमुई में प्रधानमंत्री मोदी स्वयं प्रचार के लिए गए और वहां भाजपा के लोगों ने पूरी ताकत लगाई। इसका असर भी हुआ। बावजूद यह प्रश्न किया जा रहा है कि किसी नेता के बहनोई या 26 साल की एक लडक़ी को, जिसके पिता साथी दल में नेता हैं उनको हम अपना नेता या प्रतिनिधि मानकर कैसे काम करें? स्वर्गीय रामविलास पासवान की राजनीति परिवार के इर्द-गिर्द सिमटी रही। जद (यू) की ओर से भी ऐसे कई उम्मीदवार हैं, जिन्हें भाजपा और राजग के परंपरागत कार्यकर्ता और समर्थक स्वीकार नहीं कर रहे। भाजपा के भी कुछ ऐसे उम्मीदवार हैं, जिनके बारे में नेता कार्यकर्ता कह रहे हैं कि हम पर उन्हें थोप दिया गया है। झारखंड में भी बाहर से लाकर टिकट देने और ऐसे उम्मीदवार को खड़ा करने, जिनको भाजपा पहले नकार चुकी हो समस्या पैदा कर रही है। किंतु इसका यह अर्थ नहीं कि 4 जून का परिणाम भी इसी के अनुरूप आएगा।

यह सही है कि अगर भाजपा और राजग में उम्मीदवारों के चयन में ज्यादा सतर्कता बरती जाती, स्थानीय नेतृत्व के चयन की सही तरीके से जांच होती तो स्थिति पूरी तरह वैसी ही उत्साहप्रद होती जैसी चाहिए। बावजूद देशव्यापी व्याप्त अंतर्धारा क्या है? 10 वर्षों की नरेन्द्र मोदी सरकार का प्रदर्शन, प्रधानमंत्री की स्वयं की छवि, वर्षों तक संगठन परिवार द्वारा हिंदू समाज के बीच किए गए सकारात्मक कार्य, 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा, विरोधियों द्वारा हिन्दुत्व को लेकर उपेक्षा या प्रहार का व्यवहार तथा अल्पसंख्यकों विशेषकर मुसलमानों का वोट लेने के लिए विपक्षी दलों की प्रतिस्पर्धा भाजपा के पक्ष में ऐसा आधार बनाती है जिसका कोई विकल्प नहीं। भाजपा के समर्थकों में एक बड़ा वर्ग विचारधारा के कारण जुड़ाव रखता है और पिछले कुछ वर्षों के कायरे के कारण हिन्दुओं के अंदर हिन्दुत्व एवं भारतीय राष्ट्रभाव की चेतना प्रबल हुई है।

वह बहस करते हैं कि आखिर भाजपा नहीं होती तो क्या अयोध्या में राम मंदिर बनता और ऐसी प्राण प्रतिष्ठा होती? वे धारा 370 से लेकर समान नागरिक संहिता, तीन तलाक कानून, नागरिकता संशोधन कानून आदि की चर्चा करते हैं। नागरिकता संशोधन कानून का तो आईएनडीआईए के ज्यादातर दलों ने विरोध किया है। उन्हें लगता है कि घातक अल्पसंख्यकवाद पर अगर किसी पार्टी की सरकार द्वारा नियंत्रण लगा है तो भाजपा ही है। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार के प्रभावों के कारण जिन माफियाओं पर सरकारें उनके समुदाय के कारण हाथ डालने से बचती थी, वे मटियामेट हुए हैं, सडक़ों पर नमाज पढऩा बंद हुआ है। स्वाभाविक ही उन्हें लगता है कि आने वाले समय में कोई पार्टी अगर इन सब पर काम कर सकती है तो वह भाजपा ही है। दूसरी ओर सामाजिक न्याय एवं विकास को मोदी सरकार ने जिस तरह से व्यावहारिक रूप दिया है उसका बड़ा आकषर्ण समाज के हर वर्ग में है।

बचपन में वेटरिनेरियन बनना चाहती थी नरगिस फाखरी

रॉकस्टार से लेकर मैं तेरा हीरो तक, एक्ट्रेस नरगिस फाखरी ने बॉलीवुड में अपने पूरे सफर के दौरान कई बड़ी हिट फिल्में दी हैं। रॉकस्टार गर्ल ने मद्रास कैफे, अजहर और हाउसफुल 3 जैसी कुछ फिल्मों में कई रोल्स में अभिनय करके एक एक्ट्रेस के रूप में अपनी सीमा दिखाई है। हालांकि, उनके फैंस यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि बॉलीवुड में आने से पहले उनके लिए एक अलग करियर चॉइस क्या रही होगी? खैर, नरगिस ने हालही में खुद इसका खुलासा किया है।

नरगिस ने कहा मैं बचपन में वेटरिनेरियन बनना चाहती थी। मुझे जानवरों से प्यार है और बचपन से ही मैं उन्हें एक सुरक्षित वातावरण देना चाहती थी, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था और मैं फिल्म इंडस्ट्री में आ गई। अगर मुझे अपने जीवन पर विचार करना हो और अतीत में जाना हो तो, मैं कुछ भी नहीं बदलूंगी।

इन सालों में, मुझे अपनी कला से प्यार हो गया है, मेरा मतलब है, मैं स्क्रीन पर जो चाहती हूं, वह कर सकती हूं और बन सकती हूं। यह भी मैंने अनुभव किया है प्रभावशाली फिल्में लोगों के जीवन पर असर डालती हैं। यही कारण है कि मेरी कोशिश ऐसी फिल्में करने की है, जो महत्वपूर्ण हों और हमारे रोज़मर्रा के संघर्षों से एस्केपिज्म की तरह काम करें।

हाल ही में, नरगिस फाखरी खुशी से भर गईं क्योंकि मैं तेरा हीरो ने अपनी रिलीज के 10 साल पूरे कर लिए। अब, काम के मोर्चे पर, नरगिस, जिन्हें आखिरी बार टटलूबाज़ में देखा गया था, के पास दिलचस्प प्रोजेक्ट्स की एक सीरीज़ है, जिनकी घोषणा इस साल के अंत में की जाएगी। (आरएनएस)

दिव्यांगों के लिए सुविधाजनक सार्वजनिक सफर जरूरी

अली खान

आज देश में रेल परिवहन आम जनता के लिए सबसे महत्वपूर्ण और सुलभ सार्वजनिक परिवहन साधनों में से एक है। आम जनता की जरूरतों के साथ-साथ विशेष तौर पर दिव्यांगों का ख्याल रखते हुए सार्वजनिक सफर को सुविधाजनक बनाया जाना समावेशी विकास के लिए बेहद जरूरी भी है। सार्वजनिक सफर में दिव्यांगजन आमतौर पर दिक्कतों का सामना करते हैं। इस बीच केंद्र सरकार ने दिव्यांग लोगों के लिए रेल यात्रा को और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए मसौदा दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसमें रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ टेक्स्ट-टू- स्पीच (एक ऐसी सुविधा जिसमें जब कोई व्यक्ति स्क्रीन पर लिखता है, तो उसे श्रव्य ध्वनि में बदल दिया जाता है ताकि अन्य लोग इसे सुन सकें) और उपयोगकर्ता के अनुकूल चित्रलेख या चित्र वाले चार्ट जैसी प्रौद्योगिकी आधारित सुविधाएं प्रदान करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने रेलवे का उपयोग करने वाले दिव्यांग लोगों के लिए अनुकूल वातावरण बनाने के लिए प्रस्तावित दिशा निर्देशों पर हितधारकों और जनता से टिप्पणियां, आपत्तियां और सुझाव देने को कहा है। इस नीति में आम जनता के सुझावों के आधार पर नीति को पूरे देश में लागू किया जाएगा। प्रस्तावित दिशा निर्देशों में दिव्यांगजनों को सभी सुविधाओं तक पहुंचने में मदद करने के लिए एक समर्पित वेबसाइट की आवश्यकता का भी उल्लेख किया गया है, जो उन्हें सभी सुविधाओं तक पहुंच बनाने में मदद करेगी।

मसौदा दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि ये सुविधाएं दुनियाभर के अन्य देशों में उपयोग की जाने वाली सुविधाओं के सिद्धांतों पर आधारित होंगी और वेबसाइट वर्ल्ड वाइड वेब दिशा- निर्देशों के अनुरूप होगी। जिसमें 'टेक्स्ट-टू-स्पीच और ग्राफिक्स जैसी सुविधाएं मौजूद रहेंगी। बता दें कि मसौदे में दिव्यांग लोगों के लिए एक समर्पित मोबाइल ऐप और श्वन-क्लिक टेम्पलेट बनाना भी शामिल है, जो स्टेशनों के साथ-साथ ट्रेन में भी उनके लिए उपलब्ध सभी जानकारी और सुविधाओं को प्रदर्शित करेगा। सभी स्टेशनों पर प्रबुद्ध साइन बोर्ड लगाने का भी प्रस्ताव किया गया है, जिसमें ब्रेल संकेत भी होंगे। दिव्यांग व्यक्तियों के साथ प्रभावी संचार सुनिश्चित करने के लिए काउंटर कर्मियों को सांकेतिक भाषा में प्रशिक्षित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि दिशा-निर्देशों में रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में प्रवेश और निकास को सुलभ बनाने, रैंप और रेलिंग स्थापित करने और स्पष्ट साइन बोर्ड के साथ पार्किंग सुविधाओं को विकलांगों के लिए सुलभ बनाने की सिफारिश की गई है। साथ ही दिशा निर्देशों में प्लेटफार्मों पर सुलभ लिफ्ट सुविधाओं और प्रकाश व्यवस्था के बेहतर प्रबंधन की आवश्यकता का उल्लेख है।

गौरतलब है कि हमारे देश का संविधान अपने सभी नागरिकों के लिए समानता, स्वतंत्रता, न्याय व गरिमा सुनिश्चित करता है और स्पष्ट रूप से यह विकलांग व्यक्तियों समेत एक संयुक्त समाज बनाने पर जोर डालता है। हाल के वर्षों में दिव्यांगों के प्रति समाज का नजरिया तेजी से बदला है। यह माना जाता है कि यदि दिव्यांग व्यक्तियों को समान अवसर तथा प्रभावी पुनर्वास की सुविधा मिले तो वह बेहतर गुणवत्तापूर्ण जीवन व्यतीत कर सकते हैं। लिहाजा, दिव्यांगों को अवरोध मुक्त वातावरण मुहैया कराने के लिए रणनीतियां बनाए जाने की सख्त आवश्यकता है। इनमें सार्वजनिक भवन, परिवहन सुविधाएं जैसे कि सड़क, फुटपाथ, रेलवे प्लेटफार्म, बस स्टॉप के साथ परिवहन के माध्यम यथा बस, ट्रेन और वायुयान के साथ-साथ खेल के मैदान, खुले स्थान इत्यादि को दिव्यांग व्यक्तियों के लिए आसानी से पहुंच के लायक बनाया जाना चाहिए। वहीं, हमारे देश की कुल दिव्यांग आबादी की बात करें तो वर्ष 2011 की जनगणना के मुताबिक, भारत में 2.68 करोड़ दिव्यांगजन है। जो की कुल जनसंख्या का 2.21 फीसदी है। कुल दिव्यांगजनों में से 1.50 करोड़ पुरुष हैं और 1.18 करोड़ स्त्रियां हैं। इनमें दृष्टिबाधित, श्रवण बाधित, वाक् बाधित, चलन बाधित, मानसिक रोगी, मानसिक मंदता, बहु निश्शक्तता तथा अन्य निश्शक्तता से ग्रस्त व्यक्ति शामिल हैं। इतनी बड़ी आबादी को समान अवसर उपलब्ध करवाना सरकारों की जिम्मेवारी हैं। इसी दिशा में केंद्र सरकार की ओर से दिव्यांगों के अनुकूल रेल यात्रा को और अधिक सुविधाजनक बनाने का प्रयास सराहनीय है। आज दिव्यांग लोगों के लिए न केवल रेल यात्रा बल्कि सड़क परिवहन को भी सुविधाजनक बनाया जाना चाहिए।यह देखा गया है कि सड़कों के किनारे बने बस ठहराव स्थल की बनावट ऐसी होती है कि अगर वहां बस आकर रुके तो किसी दिव्यांग के लिए उसमें सवार होना आसान नहीं होता है। ऐसे में यदि लो फ्लोर बसों को अधिकतम उपयोग में लाया जाता है तो व्हीलचेयर से चलने वाले दिव्यांग इनमें आसानी से चढ़ पाएंगे। बसों में दरवाजे पर अलग से खुलने वाला फ्लैप होना चाहिए, जिसके सहारे व्हीलचेयर अंदर आ सके। इसके अतिरिक्त बसों में व्हीलचेयर को रोकने के लिए लॉक सिस्टम होना चाहिए, ताकि बस के अचानक चलने या रुकने पर दिव्यांगों को परेशानी न हो। बसों में कुछ ऐसी सीटें आरक्षित की जानी चाहिए जो दिव्यांगों के अनुकूल हो। लो फ्लोर बसों में इन सब सुविधाओं के चलते दिव्यांग भी आसानी से बसों में सफर कर सकेंगे। *(ये लेखक के अपने विचार हैं)*

एसएसपी ने एक साल की बच्ची का प्राइवेट अस्पताल में ईलाज कराया

संवाददाता

देहरादून। बदमाश का हाल जानने दून अस्पताल पहुंचे एसएसपी ने एक साल की बच्ची को प्राईवेट अस्पताल पहुंचाकर उसकी ईलाज कराया।

मिली जानकारी के अनुसार देर रात्री प्रेमनगर क्षेत्र में पुलिस के साथ हुई मुठभेड में घायल बदमाश मुशरफ उर्फ छोटा के स्वास्थ की स्थिति को देखने के लिये एसएसपी अजय सिंह दून अस्पताल गये थे। इस दौरान अस्पताल में अन्य कारणों से मरीजों तथा लोगो की काफी भीड होने के कारण एक महिला जो अपनी गोद में एक छोटी बच्ची को लिये हुई थी, परेशान अवस्था में इधर-उध र घूम रही थी, परन्तु भीड अधिक होने के कारण उसे तत्काल कोई सहायता नही मिल पा रही थी, इस दौरान उक्त महिला की मुलाकात एसएसपी अजय सिंह से हुई, जिनके द्वारा उक्त महिला से जानकारी करने पर उक्त महिला द्वारा बताया गया कि छोटी बच्ची एक वर्ष की है, जो आज घर में गिर गई थी, जिसमें उसके सर पर अन्दरूनी चोटें आयी है तथा बच्ची बेहोशी की हालत में है, जिस पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह द्वारा बिना समय गंवाये उक्त बच्ची को दून अस्पताल में मौजूद डॉक्टरो को दिखवाया गया तथा उनके परामर्शानुसार तत्काल बच्ची को सिटी स्कैन व अन्य जांचो हेतु क्षेत्राधिकारी प्रेमनगर के माध्यम से उनके सरकारी वाहन में सिनर्जी अस्पताल भिजवाते हुए बच्ची का सिटी स्कैन कराकर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। वर्तमान में उक्त बच्ची सिनर्जी अस्पताल में उपचाराधीन है एवं उसके स्वास्थ में सकारात्मक सुधार है।

मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने मुंकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार पानीपत निवासी शहाबुददीन ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से डाकपत्थर आया था। वह बाजार में खडा था तभी वहां पर जीवनगढ निवासी शकील व साहिल आये और उसके साथ गाली गलौच करने लगे। उसने जब उनका विरोध किया तो उन्होंने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। जब आसपास के लोग वहां पर पहुंचे तो दोनों उसको जान से मारने की धमकी देकर चले गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

इंडी गठबंधन के पास पीएम का कोई चेहरा नहीं: अमित शाह

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाहलोकसभा चुनाव के लिए सोमवार को बिहार दौरे पर थे। अमित शाह ने मधुबनी के झंझारपुर में एक चुनावी सभा को संबोधि त किया। अमित शाह ने अपने संबोधन में इंडी गठबंधन पर जोरदार निशाना साध ा। उन्होंने कहा कि विरोधियों के पास पीएम का कोई चेहरा नहीं। अगर इंडी अलायंस की सरकार आएगी तो ये लोग प्रधानमंत्री पद को बांट लेंगे। एक साल शरद पवार प्रधानमंत्री होंगे, एक साल लालू प्रसाद यादव प्रधानमंत्री होंगे,एक साल ममता बनर्जी प्रधानमंत्री होंगी, एक साल स्टालिन प्रधानमंत्री होंगे। और कुछ बचा कुचा होगा तो राहुल बाबा प्रधानमंत्री बनेंगे। लेकिन पीएम मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का मतलब है। बिहार से जातिवाद को समाप्त कर देना। देश से और बिहार से भ्रष्टाचार को समाप्त कर देना। अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी इस पूरे देश, बिहार और मिथिलांचल को आधुनिक युग में ले जाना चाहते हैं, जबकि लालू यादव आपको लालटेन युग में ले जाना चाहते हैं।

उच्चतम न्यायालय ने हेमंत सोरेन की जमानत याचिका पर ईडी से जवाब मांगा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने धन शोधन के एक मामले में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अंतरिम जमानत याचिका पर सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब मांगा। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने ईडी को नोटिस जारी किया और छह मई तक उनसे जवाब देने को कहा। पीठ ने कहा कि झारखंड उच्च न्यायालय मामले में सोरेन की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर फैसला सुना सकता है। गत 28 फरवरी को आदेश सुरक्षित रखा गया था। सोरेन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ताओं कपिल सिब्बल तथा अरुणाभ चौधरी ने कहा कि वे मामले में अंतरिम जमानत चाहते हैं। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सोरेन ने 24 अप्रैल को शीर्ष अदालत में याचिका दायर की थी और कहा था कि उच्च न्यायालय उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली उनकी अर्जी पर निर्णय नहीं सुना रहा है। सोरेन को 31 जनवरी को इस मामले में गिरफ्तार किया गया था। इससे कुछ समय पहले ही उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया था और राज्य के तत्कालीन परिवहन मंत्री चंपई सोरेन को उनका उत्तराधिकारी घोषित किया गया था।

बिजली के बढ़ते दामों के विरोध में फूंका राज्य सरकार का पुतला

हमारे संवाददाता

देहरादून। आईएसबीटी स्थित उत्तराखंड विद्युत नियामक आयोग के सामने यूथ कांग्रेस महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ वर्मा के नेतृत्व में आज सैकड़ों लोगों ने बिजली दरों के बढ़ते दामों के विरोध में राज्य सरकार का पुतला दहन किया गया।

इस मौके पर यूथ कांग्रेस महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ वर्मा कहा कि आम जनता को 7 फीसदी से ज्यादा की दर से इस बोझ को उठाना पड़ेगा, अगर ये मूल्य वापस नहीं हुए तो युवा कांग्रेस प्रदेश भर में आंदोलन करेगीं।

पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने कहा कि उत्तराखंड विद्युत नियामक आयोग ने घरेलू श्रेणी के उपभोक्ताओं को 100 यूनिट तक बिजली खर्च करने पर 25 पैसे, 101 से 200 यूनिट पर 30 पैसा, 201 से 400 यूनिट तक 40 पैसा प्रति यूनिट की बढ़ोतरी की गई है। जो कि सीधे सीधे आम जनता की जेब मे डाका डालने का काम राज्य सरकार कर रही है। पार्षद रमेश कुमार मंगू ने कहा कि उत्तराखंड ऊर्जा प्रदेश होने के बाबजूद सरकार समय समय मे रेट बढ़ाने का काम कर रही है। इस मौके पर पार्षद हरिभट्ट, अनूप कपूर, मोहन गुरुंग, मनीष कुमार, जाहिद, पीयूष गौड, यज्ञपाल सिंह, इंद्रजीत त्रिहान, के वी भट्ट, अभिरुचि, अर्जुन, दीपक, राम जी लाल आदि उपस्थित थे।

नौकरी लगाने के नाम पर दस्तावेज लेकर लिया लाखों का ऋण, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। नौकरी लगवाने के नाम पर दस्तावेज लेकर उनके सहारे लाखों रूपये का ऋण लेकर धोखाधडी करने पर पांच लोगों के खिलाफ पुलिस ने मुंकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ब्रहमपुरी निवासी सचिन रस्तोगी ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसको नवम्बर 2023 को एक परिचित जयशंकर रस्तोगी निवासी आर.एस.एस. ऑफिस के सामने तिलक रोड उससे मिला तथा उसने अपने एक परिचित हनी रस्तोगी जो कि मुरादाबाद का निवासी है से परिचय करवाया तथा यह आश्वासन दिया कि उक्त व्यक्ति उसको नौकरी दिलावा देंगे। तत्पश्चात हनी रस्तोगी ने अपने परिचित सौरभ रस्तोगी जो कि बरेली निवासी है तथा आशीष चौहान जो नोयडा निवासी है से मिलवाया तथा उक्त व्यक्तियो द्वारा उसको आश्वासन दिया कि वह उसको एक अच्छी नौकरी दिलवायेंगे। उक्त व्यक्तियो द्वारा उससे उसके दस्तावेज जिनमे उसका आधार कार्ड, पैन कार्ड तथा कुछ दस्तावेज लेकर उसको एक नया एयरटेल का सिम कार्ड उसकी आई.डी से दिलवाया तथा 24 नवम्बर 2023 को उसका इंटरव्यू मिलन पैलेस निकट जैन धर्मशाला स्टेशन रोड देहरादून में पूर्ण किया तथा वीडियो कॉल के माध्यम से उसका कोस्टट्यू लिया गया जिसमे ऑनलाईन उसकी आई. डी तथा दस्तावेजो की जाँच की गयी तथा उससे पूछा गया कि उसको कितना पैकेज दिया जाये। 20 दिसमबर 2023 को उसके निवास स्थान पर एक्सिस बैंक से रिकवरी एजेन्ट आया जिसने बताया कि उसके नाम पर साढे तीन लाख रूपये का लोन चल रहा है जिसकी उसने कोई भी किश्त जमा नहीं की जिसे सुनकर वह हतप्रभ रह गया। जब उसने एक्सिस बैंक में जाकर पता किया तो उसको पता चला कि बैंक में उसका खाता खुला हुआ है तथा साढे तीन लाख रूपये का ऋण स्वीकृत हो रखा है जिसका उसको कोई ज्ञान ही नहीं है और ना ही उसने किसी भी बैंक से कभी भी कोई ऋण हेतु आवेदन ही नहीं किया है और ना ही कभी कोई खाता एक्सिस बैंक में खोला है। उसके अगले दिन 24 दिसम्बर 2023 को डाक के द्वारा उसको आई.डी.एफ.सी. जी.एम.एस. रोड शाखा से एक ए.टी.एम. कार्ड और चेंक बुक प्राप्त हुई जिसका भी उसको ज्ञान नहीं था परन्तु जब प्रार्थी उक्त शाखा में उक्त चैक बुक तथा ए.टी.एम. की बाबत जानकारी प्राप्त करने गया तो उसको पता चला कि वहां भी उसके नाम से खाता खुला है तथा उक्त खाते में साढे तीन लाख रूपये उसके एक्सिस बैंक से इस खाते में हस्तान्तरित हो रखे है। जिसके बाद उसको पता चला कि आशीष चौहान, हनी रस्तोगी व उसके साथियों ने उसके दस्तावेजों को दुरूपयोग किया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ग्राम सांकरी- सौड़ क्षेत्र से एकत्रित किया गया 1.5 टन प्लास्टिक रीसायकल कचरा

संवाददाता

देहरादून। वेस्ट वारियर्स संस्था ने सांकरी सौड क्षेत्र से डेढ टन प्लास्टिक रीसायकल कचरा एकत्रित कर रीसाइक्लिंग के लिए भेज दिया।

आज यहां वेस्ट वारियर्स संस्था जिसके द्वारा मोरी ब्लॉक अंतर्गत ग्राम सांकरी एवं सौड़ पर वन विभाग, ग्राम प्रधान, जिला प्रसाशन एवं पर्यावरण सखी के माध्यम से पिछले एक वर्ष से कचरा प्रबंधन कार्य किया जा रहा है, के द्वारा 1.5 टन प्लास्टिक रीसायकल कचरा एकत्रित कर देहरादून पुनः रीसाइक्लिंग हेतु भेजा गया है।

हर की दून और केदारकंठा ट्रैकिंग के लिए प्रति वर्ष हजारो पर्यटक, सैलानी आते है और अपने पीछे कई टन की मात्रा मे कचरा छोड़ जाते है, इसी के चलते वहां की दो प्रसिद्ध नदिया रूपिन और सुपिन कचरे से भर्ती जा रही है, वन क्षेत्र, पर्वत आदि पर भी प्लास्टिक कचरा देखा जा सकता है। ग्लेशियर का तेजी से पिघलना, मौसम मे लगातार

बदलाव ,पर्यटको की बढ़ती संख्या और कचरा प्रबंधन की समुचित व्यवस्था न होना।

इसी समस्या को देखते हुए भारतीय पर्वतीय क्षेत्र पर कचरा प्रबन्धन के लिए कार्य कर रही वेस्ट वारियर्स संस्था द्वारा इन गांव के लिए पहल की गई एवं यूनाइटेड वे इंडिया और जीप, स्टेलेंटिस की मदद से ग्राम सांकरी एवं सौड़ के टूर ऑपरेटर, होम स्टे मालिक, होटल एसोसिएशन, दुकान एवं मकान मालिकों के साथ मिलकर स्वच्छता हेतु कार्य करना शरू किया गया। कुल 1.5 टन प्लास्टिक कचरा ट्रक के माध्यम से देहरादून पहुंचाया गया है जिसको गौरव अग्रवाल, वन क्षेत्राधि कारी सांकरी रेंज द्वारा झंडी दे कर रवाना किया गया। इस कार्य हेतु वन विभाग ,ग्राम प्रधान, जिला प्रसाशन साथ ही संस्था से अंजलि, भावना, सम्राट, भास्कर, विशाल कुमार, नवीन कुमार सडाना, एडिसन, इतोशा, साक्षी सिंह, देवराज, जानकी, रक्षा आदि द्वारा सहयोग किया गया।

एक नजर

मेघालयः नाबालिग लड़कियों से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में 9 गिरफ्तार

गुवाहाटी। मेघालय के दक्षिण-पश्चिम गारो हिल्स जिले में नाबालिग लड़कियों से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। रविवार को राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के अध्यक्ष प्रियांक कानूनगो ने कहा था कि इस घटना के पीछे अवैध रोहिंग्या घुसपैठियों का हाथ है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें वह पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे हैं। कानूनगो ने एक्स पर लिखा, मैं मेघालय के दक्षिण पश्चिम गारो हिल्स के अमपाती जिले में एक आदिवासी उत्सव के दौरान हुए हमले में नाबालिग लड़कियों के साथ सामूहिक दुष्कर्म के संबंध में शिकायत की जांच करने के लिए एनसीपीसीआर टीम के साथ यहां आया हूं। यह आश्चर्यजनक है कि वहां ऐसा हुआ है। आदिवासी बच्चियों

के खिलाफ इतने क्रूर अपराध पर राष्ट्रीय स्तर पर कोई चर्चा नहीं हुई। पुलिस के मुताबिक, दुष्कर्म की घटनाएं 16 अप्रैल की रात दक्षिण-पश्चिम गारो हिल्स जिले के मुख्यालय अमपाती के चेंगा बेंगा मेला गांव में हुईं। पश्चिमी गारो हिल्स जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) विकास कुमार ने आईएएनएस को बताया, घटना 16 अप्रैल की रात को हुई और पुलिस में शिकायत 18 अप्रैल को दर्ज की गई। हालांकि राज्य में 19 अप्रैल को लोकसभा चुनाव हुए थे, लेकिन पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की और आरोपियों को हिरासत में ले लिया।

जब ऑफिसर ने रशियन लड़की के बोर्डिंग पास पर लिखा अपना मोबाइल नम्बर!

नई दिल्ली। अगर आप सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं तो आपने एक वीडियो जरूर देखा होगा जिसमे रूसी कंटेंट क्रिएटर लड़की को दिल्ली एयरपोर्ट पर एक ऑफिसर ने अपना नंबर लिखकर दिया। डिनारा नाम की लड़की, एक इंस्टाग्राम इंफ्लूएंसर है। उसने अपने वीडियो में कहा अधिकारी ने उसके बोर्डिंग पास पर उसका मोबाइल नंबर लिख कर कहा था कि अगली बार जब वह भारत में हो

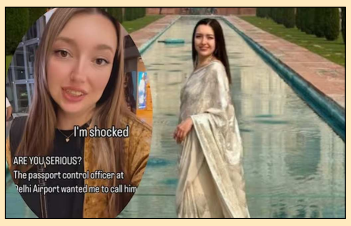

तो उसे कॉल करे। डिनारा ने अपने फॉलोवर्स से पूछा कि क्या उस अधिकारी का व्यवहार उचित था? वीडियो में उसने कहा, एक पासपोर्ट नियंत्रण अधिकारी ने मेरे टिकट पर अपना फोन नंबर लिखा है और मुझसे कहा है कि अगली बार जब मैं भारत आऊं तो 'मुझसे संपर्क करें।' अरे यार, ये कैसा बर्ताव है? इस वीडियो को अब तक 1200 से अधिक लोगों ने लाइक किया है और कई लोगों ने इसपर कमेंट किया है। वीडियो के टेक्स्ट में उन्होंने लिखा है, 'मैं स्तब्ध हूं। क्या आप गंभीर हैं? दिल्ली हवाई अड्डे पर पासपोर्ट नियंत्रण अधिकारी चाहता था कि मैं उसे फोन करूं। वीडियो पर कई यूजरों ने भी कमेंट किया है। लोगों ने उस अधिकारी की आलोचना की है। एक यूजर ने लिखा, 'यह अनुचित है। ड्यूटी पर तैनात अधिकारी को इस तरह का व्यवहार नहीं करना चाहिए।

राजनाथ सिंह ने दाखिल किया अपना नामांकन, योगी और धामी भी रहे मौजूद

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में नामांकन दाखिल किया। इस दौरान उनके साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी और यूपी के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहें। लखनऊ में पांचवें चरण में वोटिंग 20 मई को होनी है। इस फेज में देश भर की 45 सीट शामिल हैं, जहां मतदान होगा। हालांकि, 3 मई तक नामांकन दाखिल किया जा सकता है, फिर 4 मई को इसकी जांच आयोग करेगा। 6 मई को प्रत्याशियों के लिए उम्मीदवारी वापस करने की अंतिम तारीख है। नामांकन से पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हनुमान सेतु मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस दौरान मौजूद डिप्टी

सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा, लखनऊ में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का नामांकन है। सभी कार्यकर्ताओं में उत्साह है। चुनाव आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक, छठे फेज में नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तारीख 6 मई है और दस्तावेजों की समीक्षा 7 मई को की जाएगी। इसके साथ प्रत्याशियों के उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तारीख 9 मई को है। इस फेज में यूपी, हरियाणा, दिल्ली, झारखंड, ओडिशा, बिहार और पश्चिम बंगाल की विभिन्न सीटों पर मतदान होगा। हालांकि, लोकसभा चुनाव के लिए दो चरण के मतदान भी संपन्न हो चुके हैं।

बेकाबू जंगल की आग, एनडीआरएफ ने संभाला मोर्चा

❑अब तक 750 हेक्टेयर जंगल जले, करोड़ों का नुकसान

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के जंगल धूं-धूं कर जल रहे हैं। आग पर काबू पाने के सभी प्रयास विफल साबित हो रहे हैं। अब तक सूबे में कुल छोटी बड़ी वनाग्नि के 600 से अधिक घटनाओं में करोड़ों की संपदा जलकर राख हो चुकी है। वन विभाग और शासन-प्रशासन इन जंगलों में लगी आग को रोकने में नाकाम साबित हो चुका है। आज इस आग को बुझाने के लिए एनडीआरएफ को भी बुला लिया गया है लेकिन बेकाबू आग को अब सिर्फ बारिश का भरोसा है जो इस आफत से मुक्ति दिला सकती है।

आग रोकने पर करोड़ों रुपए हर साल होते हैं खर्च, अब बारिश ही दिला सकती है निजात

हर साल जंगल की आग से जंगल और पर्यावरण को भारी नुकसान होता है लेकिन इस आग को रोक पाना संभव नहीं है। हर साल करोड़ों रुपए आग रोकने के लिए पानी में बहा दिए जाते हैं और करोड़ों की संपदा का नुकसान होता है। इन दिनों नैनीताल के जंगलों की आग ने सबसे विकराल रूप ले रखा है। एयरफोर्स के एमआई-17 से आग बुझाने के प्रयास किए गए जो नाकाम साबित हुए। अब आज एनडीआरएफ की एक बटालियन जिसमें 40 लोग हैं उन्हें आग बुझाने के काम में लगाया गया है जबकि 70 से अधिक वनकर्मी भी आग बुझाने में जुटे हुए हैं लेकिन उन्हें कोई कामयाबी मिलती नहीं दिख रही है। तेज हवाओं के कारण यह आग विकराल रूप ले चुकी है।

नैनीताल के भवाली से ऊपर महेश खान में लगी आग से वन जीव जंतुओं और पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचा है। राज्य में अब तक 750 हेक्टेयर वन क्षेत्र आग से जल चुका है। बागेश्वर और अल्मोड़ा तथा पौड़ी व नैनीताल के कई हिस्सों में आग की लपटे आवासीय क्षेत्रों तक पहुंच गई है जिससे लोग दहशत में है तथा जंगल की आग के कारण पहाड़ धुआ-धुआ हो रहा है और लोगों का सांस लेना भी मुश्किल होता जा रहा है। बागेश्वर में एक फैक्ट्री के 12 कमरे जल चुके हैं तथा 30 लाख का नुकसान हुआ है। अल्मोड़ा, पौड़ी व पिथौरागढ़ से लेकर उत्तरकाशी और चमोली तक जंगल जल रहे हैं। इस आग को इंसानी प्रयासों से बुझाया जाना असंभव हो चला है। मौसम विभाग द्वारा राज्य के 7 जिलों में बारिश की संभावना जताई गई है अब इस आसमानी बारिश से यह उम्मीद लगाई जा रही है कि शायद इस आपदा से राहत मिल सके।

हत्या का खुलासा, एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चमोली। ग्राम छिनका के पास हुई युवक की हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। जिसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त बेल्ट व उसको जलाने में इस्तेमाल किया गया लाइटर भी बरामद किया गया है। जानकारी के अनुसार बीती 25 अप्रैल को ग्राम छिनका के पास एक व्यक्ति का अधजला शव बरामद हुआ था। जिसके चेहरे व गर्दन पर कीडे पडे हुए थे तथा उसके दोनों पैर जले हुए थे। उक्त शव की पहचान रघुवीर सिंह पुत्र स्व. मोहन सिंह निवासी ग्राम ढुंगरी बिजारकोट थाना व जनपद चमोली के रूप में हुई थी। मृतक के परिजनों द्वारा मृतक रघुवीर की हत्या की आशंका जताई गई तथा कोतवाली चमोली पर एक तहरीर दी गई। उक्त तहरीर के आधार पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच में एक व्यक्ति का उक्त हत्या में शामिल होने का पता चलने पर जब पुलिस ने उससे पूछताछ की तो उसने हत्या का आरोप कबूल करते हुए अपना नाम सन्दीप रावत पुत्र अवतार सिंह रावत निवासी ग्राम छिनका थाना व जनपद चमोली बताया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त उक्त बेल्ट जिससे मृतक का गला घोंटा व लाइटर जिससे मृतक को जलाया गया था को बरामद करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

अवैध पार्किंग की वजह से फायर..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

है। कांवली रोड से तिलक रोड पर बाईपास बना दिया गया है लेकिन दोनों तरफ गाड़ियों का अतिक्रमण बड़ी समस्या का कारण बना हुआ है। आज की घटना के बाद जब फायर सर्विस के वाहनों ने मौके पर पहुंचने की कोशिश की तो अतिक्रमण के चलते उनके वाहनों को पहुंचने में देरी हुई जिससे पीड़ितों में आक्रोश फैल गया।

कलयुगी पिता नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म कर हुआ फरार

हमारे संवाददाता

देहरादून। रायवाला क्षेत्र में एक कलयुगी पिता पर अपनी ही नाबालिक बेटी के साथ दुष्कर्म किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पड़ोसी की शिकायत पर रायवाला थाने में आरोपी के खिलाफ पोक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

जानकारी के अनुसार हरिपुरकला निवासी एक महिला ने रायवाला थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पड़ोस में रहने वाली एक नाबालिक लड़की के साथ उसके सगे पिता ने दुष्कर्म किया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी एएसपी जितेन्द्र चौधरी के आदेश पर आरोपी पिता के

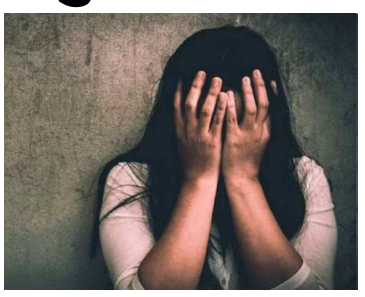

खिलाफ पोक्सो एक्ट सहित आईपीसी की धारा 376(2) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया। वहीं पुलिस अब फरार हो चुके आरोपी की तलाश में जुटी है।

एएसपी जितेन्द्र चौधरी ने बताया कि नाबालिक संग उसके पिता द्वारा दुष्कर्म किए जाने की शिकायत मिली। पीड़िता ने दुष्कर्म की बात स्वीकार की है,जिसके बाद आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उसकी गिरफ्तारी के लिए सभी संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है,आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वहीं पीड़िता का मेडिकल भी कराया जा रहा है।

दून में भीषण आग का..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

आग लगने के दौरान लोग कुछ समझ पाते इससे पहले ही आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग लगने की इस घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी फैल गयी। टिन शेड में बसी एक दर्जन से अधिक झोपड़ियों की भीषण आग ने पूरे इलाके को अंधकार में लपेट लिया। इस दौरान आग की चपेट में आकर झोपड़ियों में रखे कुछ सिलेण्डर भी फट गये। जिससे आग ने और भी विकराल रूप ले लिया।

बताया जा रहा है कि घटना की जानकारी समय से मिल गई तो आग से पहले ही सभी बच्चे और यहां रहने वाले लोग बाहर चले गए। वहीं सूचना मिलने पर दमकल विभाग ने मौके पर पहुंच कर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्रथम दृष्टया आग लगने का कारण मजदूरों का तांबे के तार जलाना बताया जा रहा है।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।